वर्षः 7- अंकः 138, मुंबई, शुक्रवार, 21 जुलाई, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान


# दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर


# कोविंद जीते

## 25 जुलाई को लेंगे राष्ट्रपति पद की शपथ

**नई दिल्ली।** रामनाथ कोविंद देश के अगले राष्ट्रपति होंगे। एनडीए उम्मीदवार रामनाथ कोविंद ने यूपीए की प्रत्याशी मीरा कुमार को लगभग 3 लाख 34 हजार वोटों के अंतर से हराया। कोविंद को 65.65 फीसदी वोट हासिल हुए हैं। जबकि मीरा कुमार को 35.34 फीसदी वोट मिले। कोविंद देश के 14वें राष्ट्रपति होंगे। कोविंद की जीत के बाद पीएम मोदी ने उनसे मिलकर बधाई दी। पीएम मोदी के साथ अमित शाह और अनंत कुमार भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद रामनाथ कोविंद मीडिया से मुखातिब हुए। कोविंद ने जीत के बाद कहा कि यह मेरे लिए भावुक पल है। उन्होंने कहा 'यह मेरे लिए भावुक क्षण हैं। मैं विश्वास दिलाता हूं कि सर्वे भवंतु सुखिनः के भाव के साथ निरंतर लगा रहूंगा। (शेष पृष्ठ 5 पर)

### ममता ने जीत से पहले दी बधाई

*चुनाव के नतीजे आने से पहले ही टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एनडीए प्रत्याशी रामनाथ कोविंद को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, रामनाथ कोविंद जी को बधाई, वो हमारे अगले राष्ट्रपति होंगे। एनडीए उम्मीदवार रामनाथ कोविंद का अगला राष्ट्रपति चुना जाना पहले से ही तय माना जा रहा था। वोटिंग की गिनती खत्म होने के साथ ही कोविंद को निर्वाचित राष्ट्रपति का सर्टिफिकेट प्रदान कर दिया जाएगा।*

### जश्न में डूबे लोग

*रामनाथ कोविंद की जीत के बाद उनके समर्थक जश्न में डूब गए हैं। मुंबई से लेकर कानपुर तक कोविंद की जीत का जश्न मनाया जा रहा है। मुंबई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़े बजाकर अपनी खुशी जाहिर की। सुबह वोटों की गिनती शुरू होते ही रामनाथ कोविंद के गांव में जश्न का माहौल शुरू हो गया था। कोविंद की जीत के लिए उनके गांव में हवन पूजन भी किया गया। मौजूदा राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी का कार्यकाल 24 जुलाई की मध्यरात्रि को खत्म हो रहा है और कोविंद 25 जुलाई की सुबह नए राष्ट्रपति के पद की कमान संभालेंगे।*

### कोविंद को जीत की बधाई

कोविंद की जीत के एलान के बाद उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया है। सत्तापक्ष से लेकर विरोधी दलों के नेताओं ने बधाई संदेश भेजे। पीएम मोदी, अमित शाह समेत तमाम नेताओं ने कोविंद को जीत की बधाई दी है।


**डेंगू, मलेरिया के लावा पाए जाने पर मनपा ने आठ हजार लोगों को भेजा नोटिस** (पढ़ें पृष्ठ 3 पर)

**बाहुबली के सीन कॉपी करने के चक्कर में गई जान** (पढ़ें पृष्ठ 5 पर)

**2000 और 500 के नए नोटों के बाद, अब आ रहा 20 रुपए का नया नोट** (पढ़ें पृष्ठ 6-7 पर)

**भाई-भतीजावाद जैसी चीजें केवल चर्चा के लिए : शत्रुघ्न सिन्हा** (पढ़ें पृष्ठ 12 पर)



शुध्द घी में बना

केसरीया मलाई घेवर

MM MITHAIWALA

MALAD (W),TEL.: 288 99 501


# लालू को एक और झटका

## बड़े बेटे तेज प्रताप का पेट्रोल पंप होगा जब्त

**नई दिल्ली।** आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव और उनके परिवार की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले कुछ दिनों में लालू यादव और उनके परिवार पर भ्रष्टाचार के तमाम आरोप लगे हैं। इस बीच लालू यादव के परिवार को एक और झटका लगा है। इस बार यह झटका लालू यादव के बड़े और बिहार सरकार में मंत्री तेज प्रताप यादव को लगा है। तेज प्रताप यादव का पटना स्थित पेट्रोल पंप जब्त होगा। अदालत के आदेश के बाद पेट्रोल पंप को सीजड करने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

### संसद में बोले जेटली

# 'बीफ पॉलिटिक्स' कर रही है कांग्रेस

नई दिल्ली। राज्यसभा में मॉब लिंचिंग और गोरक्षा के मुद्दे पर बोलते हुए वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि किसी को भी कानून हाथ में लेने का हक नहीं है। अगर ऐसा कोई करता है तो उसकी निंदा के साथ गिरफ्तारी भी होनी चाहिए। अरुण जेटली ने आरोप लगाया कि कांग्रेस 'बीफ पॉलिटिक्स' खेल रही है। उन्होंने कहा कि लिंचिंग की घटनाओं का राजनीतिकरण बंद होना चाहिए। (शेष पृष्ठ 5 पर)

### गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी के खिलाफ सरकार

सदन में वित्त मंत्री ने बताया कि गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी करने वालों के खिलाफ खुद प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सख्त लहजे में चेतावनी दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि गोरक्षा के नाम पर किसी को कानून के साथ खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। दलित पर जो अत्याचार हो रहे हैं, ऐसे मामलों में कार्रवाई के लिए पर्याप्त कानून हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरकार इसके लिए पूरे तरीके से प्रतिबद्ध है।

# अक्षय कुमार के नाम पर ठगी

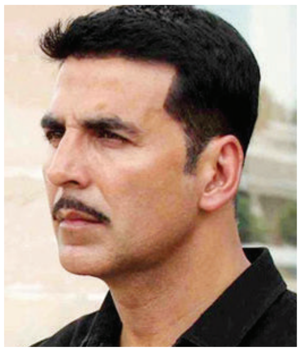

मुंबई। हाल ही में अभिनेता अक्षय कुमार ने शहीद जवानों के परिवारों की आर्थिक मदद के लिए एक वेबसाइट लॉन्च की थी। लेकिन कुछ फर्जी लोगों ने अक्षय कुमार की इस मुहिम को कॉपी कर फ्रॉड करना शुरू कर दिया है। दरअसल, वे bharatkeveer.gov.in के नाम से मिलती-जुलती वेबसाइट्स बनाकर शहीदों के नाम पर पैसे ले रहे हैं। इन वेबसाइट पर कुछ अकाउंट नंबर भी लिखे हुए हैं जिनमें पैसा भेजने को कहा जाता रहा है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# मच्छरों ने भरा बीएमसी का 'खजाना'

**मुंबई,** मॉनसून की शुरूआत के साथ ही महानगर में बीमारियों की संख्या में बढ़ोतरी होने लगी है। खासकर मच्छर जनित बीमरियां डेंगी, मलेरिया की समस्या ज्यादा मुंबई में देखने को मिलती है। ऐसे में बीमारियों के नियंत्रण के लिए बीएमसी द्वारा मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए पूरे साल कार्यक्रम चलाया जाता है। जनवरी से 15 जुलाई तक मुंबई में विभिन्न जगहों पर लार्वा मिलने के बाद 20 लाख रुपये दंड के रूप में वसूला गया है। बीएमसी से मिली जानकारी के अनुसार, जांच के दौरान 7583

जगहों पर डेंगी के जबकि 2674 जगहों पर मलेरिया के लार्वा मिले हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए 8744 लोगों को नोटिस भी दिया जा चुका है। कीटनाशक विभाग के प्रमुख आर नारिंग्रेकर ने बताया कि लार्वा को नष्ट करने के लिए सभी 24 वॉर्डों में लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान अब तक 60 लाख से अधिक घरों की जांच की जा चुकी है। मच्छरों का लार्वा समय पर नष्ट नही होगा तो उससे मच्छरों की संख्या में बढ़ोतरी होती है जिससे बीमारियों के बढ़ने की संभावना बढ़ती है। बारिश के दौरान होने वाली लेप्टोस्पायरोसिस भी एक खतरनाक बीमारी है। सामान्यतः यह बीमारी जानवरों के संक्रमित मूत्र के जरिए इंसानों में फैलती है। इसकी रोकथाम के लिए जनवरी से लेकर 15 जुलाई तक मुंबई के 24 वॉड्र्स में 1,28,000 चूहे मारे गए हैं।

# पटरी पर शौच, बिल्डिंग में हंगामा

**मुंबई।** हाल ही में मुंबई को खुले में शौच से मुक्त करने का प्रमाणपत्र दिया गया है। हालांकि इसके बावजूद सुबह के वक्त मुंबई के कई हिस्सों में लोग खुले में शौच करते दिख जाते हैं। कहीं-कहीं तो स्थिति इतनी बदतर है कि आसपास के लोगों बदबू के कारण ठीक से सांस नहीं ले पा रहे हैं। माहिम रेलवे स्टेशन के पास रोजाना खुले में शौच के लिए जाने वालों के कारण पास के ही 'एवरशाइन मेडॉस' अपार्टमेंट में रहने वालों को आए दिन मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी शिकायत निवासियों द्वारा बीएमसी और रेलवे प्रशासन से की गई है। हालांकि अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। अपार्टमेंट के अमित राव ने बताया कि काफी समय से हम इस समस्या से परेशान हैं। रेलवे लाइन के किनारे खुले में शौच करने वाले अधिकतर ठेके पर काम करने वाले कर्मचारी हैं। इसकी शिकायत माहिम रेलवे स्टेशन और दादर जीआरपी से की गई है।

हर सुबह उठते ही समस्या का सामना करना पड़ता है। सुबह के वक्त इतनी दुर्गंध आती है कि खिड़की बंद रखना होता है। बिल्डिंग के ही एक दूसरे निवासी इजाज नकवी ने बताया कि शौच के कारण लगातार उधर से आने वाली दुर्गंध के चलते लोगों में बीमारियां होने की संभावना बनी हुई है। हाल ही में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट करके मुंबई को खुले में शौच मुक्त होने की जानकारी दी थी। हालांकि हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

# 35 फीसदी बढ़ा राज्यभर के जलाशयों का जलस्तर

**मुंबई,** पिछले दिनों से राज्य भर में हो रही मूसलाधार बारिश से राज्य के जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। दो दिन की बारिश से बांधों में 35 प्रतिशत पानी भरा है। किसानों की सूख रही फसलों में नई जान आ गई है। राज्य के कृषि विभाग के अनुसार खेतों में करीब 72 प्रतिशत तक बुआई हो गई है। राज्य के मौसम विभाग के अनुसार 1 जून से 19 जुलाई तक राज्यभर में 182.4 मिली मीटर बारिश हुई। पिछले साल इसी अवधि तक औसतन 108.5 मिमी बारिश हुई थी। जानकारी के अनुसार ठाणे, रायगड, पालघर, पुणे, गडचिरोली जिले में 100 प्रतिशत से ज्यादा बारिश हुई। रत्न ागिरी, सिंधुदुर्ग, नाशिक, नंदुरबार, सातारा, सांगली, वर्धा, भंडारा, गोदिंया, चंद्रपुर जिले में 76 से 100 बारिश हुई। धुले, जलगांव, अहमदनगर, कोल्हापुर, नांदेड, बुलढाणा, वाशिम, अमरावती, नागपुर जिले में 51 से 75 प्रतिशत और औरंगाबाद, बीड, लातूर, उस्मानाबाद, परभणी, हिंगोली, अकोला, जालना, यवतमाल में 26 से 50 प्रतिशत बारिश हुई हैं। राज्यभर में सोलापुर ही एकमात्र ऐसा जिला रहा जहां अब तक 0 से 25 प्रतिशत बारिश दर्ज की गई है।

**72 फीसदी बुआई पूरी**

राज्य के कृषि विभाग का कहना है कि राज्य में गन्ने की खेती को छोड़कर औसतन139.64 लाख हेक्टर में से 14 जुलाई तक 101.20 लाख हेक्टर खेतों में बुआई हो गई है जो औसतन 72 प्रतिशत है। कोकण, कोल्हापुर, पुणे संभागों में धान की दोबारा बुआई करना पड़ी है।

**क्षेत्रवार जलाशयों का जलस्तर**

मराठवाडा-18.84 प्रतिशत
कोकण-79.31 प्रतिशत
नागपूर-14.68 प्रतिशत
अमरावती-19.31 प्रतिशत
नाशिक-36.04 प्रतिशत
पुणे-41.88 प्रतिशत।

# ब्रेन डेड मरीज से मिली 6 लोगों को जिंदगी

**मुंबई,** 38 वर्षीय एक मरीज के ब्रेन डेड होने के बाद 6 लोगों को नई जिंदगी मिली है। जानकारी के अनुसार मरीज एक दुर्घटना का शिकार हो गया था, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती किया गया। मस्तिष्क के अंदर अधिक रक्त बह जाने के कारण मरीज को डॉक्टरों द्वारा ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इसके बाद बहन ने मरीज का अंगदान करके लोगों की जान बचाने का फैसला लिया। मुलुंड स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल से मिली जानकारी के अनुसार मरीज का हृदय अस्पताल के एक मरीज को प्रत्यारोपित किया गया है। एक मरीज को हृदय से संबंधित गंभीर समस्या थी, जिसे जल्द से जल्द हृदय प्रत्यारोपण की जरूरत थी। प्रत्यारोपण के बाद से मरीज की स्थिति सामान्य है, उसे 72 घंटे के लिए सघन निगरानी में रखा गया है। ब्रेन डेड मरीज के शरीर से दो किडनी, एक लीवर, एक हॉर्ट, स्किन और कॉर्निया निकाली गईहैं।

# खुफिया एजेंसियों ने 2 साल में 200 नौजवानों को आईएस में जाने से रोका

**मुंबई,** आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के सरगनाओं ने पिछले कुछ सालों में भारत के काफी नौजवानों का ब्रेनवॉश किया है। उनमें से कई इस संगठन में शामिल भी हुए। इनमें कल्याण, मालवणी, केरल, तेलंगाना के नौजवान ही नहीं, कुछ महिलाएं भी आतंकवाद की ट्रेनिंग लेने अलग-अलग रास्तों से अफ़गानिस्तान, सीरिया और लीबिया गईं। इस दौरान देश की खुफिया एजेंसियों ने कई युवकों को आईएसआईएस में जाने से रोका भी। महाराष्ट्र एटीएस से जुड़े एक अधिकारी ने एनबीटी से कहा कि पिछले एक साल में आईएस में शामिल होने की ठान चुके राज्य के ही 50 से ज्यादा युवकों को समझा-बुझा कर मुख्यधारा में लाया गया। इस अधिकारी के अनुसार, यदि पिछले 2 साल का आंकड़ा देखा जाए, तो मुख्यधारा में लौटे युवकों की संख्या 200 से भी ज्यादा होगी।

ATS ने मालवणी के 12 युवकों की काउंसलिंग की। कुछ को नौकरी भी दिलवाई गई। मुंबई और ठाणे के बाद परभणी, पुणे, अहमदनगर, मालेगांव में युवकों को आईएस जॉइन करने से रोका गया। एक मामले में जुहू का एक युवक जब जांच एजेंसियों की बात सुनने को तैयार नहीं हुआ, तो उसका पासपोर्ट कुछ महीनों के लिए अपने पास रख लिया गया था। खुफिया एजेंसियों ने आईएस को लेकर भटक गए युवकों की शिनाख्त के लिए मस्जिद के ट्रस्टियों और मौलवियों की मदद ली। उन्हें कहा गया कि अगर उन्हें युवकों के व्यवहार में कुछ बदलाव नजर आए, तो इसकी सूचना जांच एजेंसियों को दें।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प ) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोनः9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

# डेंगू, मलेरिया के लावा पाए जाने पर मनपा ने आठ हजार लोगों को भेजा नोटिस

## संबंधितों से वसूला लगभग 20 लाख रुपए दंड, 60 लाख घरो की जांच की गयी

**मुंबई।** मलेरिया व डेंगू बिमारी से निपटने मनपा ने कमर कस ली है। मनपा द्वारा जनवरी से जुलाई महीने के दौरान लगभग 60 लाख 43 हजार 597 घरों की जांच की गयी है। जिसमे लगभग 7586 जगहों पर डेंगू व 2674 जगहों पर मलेरिया के लावा पाए गए है। जिसके सन्दर्भ में मनपा द्वारा लगभग 8 हजार 744 लोगों को नोटिस भेजने के साथ ही 20 लाख 4 हजार 600 रुपये दंड के रूप में वसूल किया गया है। जिसकी जानकारी मनपा किटकनाशक अधिकारी राजन नारिंग्रेकर ने दी है।

गौरतलब है कि डेंगू और मलेरिया बीमारी की चपेट में बड़े प्रमाण में मुंबईकर आते है। वहीं कइयों को अपनी जान तक गंवानी पड़ती है। इन बीमारियों से निपटने व इनकी रोकथाम के लिए मनपा द्वारा जनवरी से जुलाई महीने तक लगभग 60 लाख 43 हजार 597 घरों की जांच की गयी। जिसमे लगभग 7 हजार 586 जगहों पर डेंगू व 2 हजार 674 जगहों पर मलेरिया के लावा पाए गए है। जिसके सन्दर्भ में मनपा द्वारा लगभग 8 हजार 744 लोगों को नोटिस भेजे गए थे। यह नोटिस पानी की टंकी में लावा व कुओं आदि में लावा पाए जाने पर दिया गया था। जिनसे लगभग 20 लाख 4 हजार 600 रुपये दंड के रूप में वसूल किया गया है। जिसकी जानकारी मनपा किटकनाशक अधिकारी राजन नारिंग्रेकर ने दी है।

## चोरों ने मंडी से उड़ाए 900 किलो टमाटर

**मुंबई।** आपने सोना, चांदी, हीरे मोती, पैसे आदि के लूट-पाट और चोरी के मामले देखे और सुने होंगे। क्या आपने कभी टमाटर पर चोरों को हाथ साफ करते हुए सुना है? मुंबई में एक ऐसा ही मामला सामने आया है जहां 9 क्विंटल टमाटर चोरी हो गए। मुंबई के दहिसर सब्जी मार्केट से लगभग 900 किलो टमाटर चोरी हुआ है। महाराष्ट्र में मूसलाधार बरसात के कारण टमाटर की फसलें नष्ट हो चुकी हैं। बेंगलुरू से टमाटर मुंबई लाया जा रहा है जो कि मुंबई की मंडियों में लगभग 100 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रहे हैं। इसी वजह से चोरों ने टमाटरों पर अपना हाथ साफ कर लिया। श्यामलाल श्रीवास्तव लगभग पिछले 25 सालों से इस सब्जी बाजार में टमाटर बेचते आ रहे हैं पर आज तक ऐसा नही हुआ, लेकिन उस शनिवार की रात श्यामलाल लगभग 11 बजे अपने घर चले गए थे, एपीएमसी मार्केट से सब्जियों की रात में डिलीवरी होती है और सुबह दुकानदार इन सब्जियों को बेचते हैं। हर बार की तरह इस बार भी श्यामलाल के दुकान पर 9 सौ किलोग्राम टमाटर थे। रात में कुछ चोरों ने टमाटर का काम तमाम कर दिया जिससे मंडियों के व्यापारियों में टमाटर चोर की दहशत है। ऐसा नही है कि मुंबई में टमाटर की चोरी पहली बार हुई है, इससे पहले भी जब टमाटर और प्याज की कीमतें बढ़ी थीं उस समय भी चोरी की घटनाएं सामने आईं थी।

## रईस के प्रमोशन मामले में शाहरुख को हाई कोर्ट से राहत

**मुंबई।** गुजरात हाई कोर्ट ने फिल्म 'रईस' के प्रमोशन के लिए वडोदरा के रेलवे स्टेशन पर अभिनेता शाह रुख खान के खिलाफ अफरा-तफरी मचाने के आपराधिक मामले को स्थगित कर दिया है। पिछले साल स्टेशन पर हुई भगदड़ में एक व्यक्ति की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आर. सुभाष रेड्डी और जस्टिस एमवी पंचोली की खंडपीठ ने गुरुवार को सुपर स्टार शाह रुख खान को राहत देते हुए वडोदरा अदालत की ओर से शाह रुख को दिये नोटिस पर भी स्टे लगा दिया है। वडोदरा कोर्ट के इस नोटिस के मुताबिक शाह रुख को आगामी 23 जुलाई को खुद पर लगे आरोपों का जवाब देने के लिए कोर्ट में पेश होना था। हालांकि अब अदालत ने शाहरुख की अगली सुनवाई 25 सितंबर को सुनिश्चित कर दी है।

## तलाकशुदा महिला करना चाहती थी शादी

# 'नमस्ते' के चक्कर में लुट गई

**मुंबई।** मुंबई में शादी के नाम पर ऑनलाइन ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। पीड़िता 40 साल की एक महिला है जो मैरिज साइट पर एक शख्स से मिली थी। उस शख्स ने हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क की बात कहकर महिला से धोखे से 74 लाख की रुपए ऐंठ लिए। पीड़िता द्वारा पिछले हफ्ते मुंबई साइबर पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराया गया है। फिलहाल पुलिस इस मामले में छानबीन कर रही है। आपको बता दें कि मुंबई में बीते एक महीने में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें खासकर तलाकशुदा महिलाओं को ठगों ने शिकार बनाया है।

### अपना मोबाइल नंबर साझा किया

जानकारी के मुताबिक पीड़ित महिला मैरिज साइट पर अपनी प्रोफाइल बनाने के तीन–चार दिन बाद वह अमर जोशी नाम के व्यक्ति से मिली, वह खुद को यूके का नागरिक बताता था। अपने प्रोफाइल और तस्वीरें से प्रभावित होकर उसने अपना मोबाइल नंबर साझा किया और चैट करना शुरू कर दिया। इस दौरान उसने कहा कि वो प्रवासी भारतीय है और उसे हमेशा से ही एक भारतीय पत्नी का तलाश है।

### फ्लाइट का विवरण भी मेल करके दिखाया

उसने कहा वह 10 जून को मुंबई आकर उससे शादी की बात तय करेगा। उसने अपनी फ्लाइट का विवरण भी मेल करके दिखाया। तय तारीख पर जब महिला हवाई अड्डे पर उसे लेने पहुंची तो उसके पास फोन आया। फोन पर पहले जोशी ने नमस्ते कहा और फिर फोन पर उस महिला को सौंप दिया जिसने खुद को दिल्ली हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारी के रूप में बताया था। उसने बताया कि उसने जोशी को अतिरिक्त अमरीकी डालर के साथ पकड़ा था।

### महिला ने चार बैंक खातों में पैसा स्थानांतरित किया

जिसे छुड़ाने के लिए एक बड़ी राशि की जरुरत थी। इसके बाद महिला ने चार बैंक खातों में पैसा स्थानांतरित किया। अगले दिन, जोशी ने उन्हें फिर से फोन कर कहा कि वह मुंबई आ रहा है लेकिन अब शहर के किसी अन्य ड्यूटी पर हवाई अड्डे पर पकड़ लिया गया है। ऐसा कहकर उसने फिर से छह खातों में 36 लाख रुपये महिला से हस्तांतरित करवाए और इसके बाद अपना फोन बंद कर दिया।


### आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
**(9619102478)**

### आवश्यक है

**'दैनिक मुंबई हलचल'** अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
**(9619102478)**


# भाजपा के गौशाला को शिवसेना ने दिखाया मुंबई के बाहर का रास्ता

**मुंबई।** मुंबई में गौशाला बनाने के मुद्दे पर भाजपा और शिवसेना आमने सामने आ गयी है। गायों के लिए मुंबई में गौशाला बनाने का प्रस्ताव भाजपा द्वारा मनपा सुधार समिति की बैठक में पेश किया गया था। इस प्रस्ताव को शिवसेना द्वारा वापस भेज देने से भाजपा की गौशाला को शिवसेना द्वारा मुंबई के बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

गौरतलब है कि भाजपा नगरसेवक राम बारोट ने मनपा सदन में सवाल उठाते हुए सड़क पर घूमने वाले गायों के लिए मुंबई में गौशाला बनाए जाने की मांग रखी थी उन्होंने मनपा द्वारा तैयार किए जा रहे विकास प्रारूप में गौशाला के लिए भूखंड आरक्षण रखे जाने की गुहार लगाई थी। मनपा आयुक्त ने भाजपा की मांग को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा 2006 में लिए गए निर्णय जिसमे गाय भैस के तबेले मुंबई के बाहर किए जाने का निर्देश दिया है। जिसको लेकर सरकार ने आध्यदेश जांरी किया है। मनपा आयुक्त ने अभिप्राय में कहा

## सुधार समिति में प्रस्ताव को वापस भेजा गया

है कि मनपा को लोगो को मूलभूत सुविधा मुहैया कराने का काम है। जिसमे जानवरो की देखरेख जैसी चीजें नहीं आती। साथ ही जानवरों को मुंबई के बाहर ले जाने का सरकार का निर्देश होने के कारण मुंबई में गौशाला के लिए भूखंड आरक्षित रखना उचित नहीं होने का स्पष्ट किया। जिसके बाद दोबारा इस संदर्भ का प्रस्ताव गुरुवार को सुधार समिति में पेश किया गया। इस दौरान भाजपा नगरसेवक प्रकाश गंगाधरे, ज्योति अलवणी आदि नगरसेवकों ने गौशाला आवश्यक होने का स्पष्ट किया वहीं गोरेगांव में पहले से ही कई तबेले होने से गौशाला के लिए इंकार क्यों किया जा रहा है ऐसा सवाल उपस्थित किया। जिन जगहों पर नागरिकों की बस्ती नहीं होगी या जिन भूखंडों को वन क्षेत्र के लिए आरक्षित रखा गया है ऐसी जगहों को गौशाला के लिए आरक्षित करने की मांग की। जिसपर शिवसेना नगरसेवक रामकांत रहाटे, श्रद्धा जाधव, विशाखा राऊत, मिलिंद वैद्य आदि ने मुंबई स्थित तबेलों को मुंबई के बाहर स्थलांतरित करने का कानून राज्य सरकार द्वारा बनाये जाने का स्पष्ट किया। शिवसेना गायों का विरोध नहीं कर रही लेकिन तबेलों से निकलने वाली गंदगी नदी व नालों में जाती है, जिसका परिणाम मुंबईकरों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। जिसके कारण गौशाला को मुंबई की सीमा के बाहर रखने की भूमिका रखी। वहीं सुधार समिति अध्यक्ष अनंत (बाला) नर ने कहा कि इस विषय पर चर्चा करने के बजाय विकास प्रारूप तैयार हो रहा है उसमे गौशाला के लिए जगह आरक्षित करने के संदर्भ में विचार करने की बात कही साथ ही इस प्रस्ताव को वापस भेजने का स्पष्ट किया। जिससे भाजपा की मुंबई में गौशाला बनाने की मांग को मुंबई के बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

### गाय के नाम पर

**गाय** के नाम पर हो रही हिंसक घटनाओं का सिलसिला खत्म न होने के कारण यह पहले से तय था कि संसद के इस सत्र में यह मसला उठेगा। ऐसा ही हुआ और विपक्ष ने बेलगाम गौ रक्षकों के उत्पात को लेकर केंद्र सरकार की घेराबंदी की। हालांकि प्रधानमंत्री ने संसद सत्र के पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में गाय के नाम पर हो रही हिंसा रोकने के मामले में राज्य सरकारों की भूमिका स्पष्ट करते हुए उन्हें सजगता दिखाने को कहा था, लेकिन विपक्षी दलों ने इस मसले पर केंद्र सरकार को ही जिम्मेदार ठहराने की हर संभव कोशिश की। ऐसी कोशिश राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध करने में सहायक हो सकती है, लेकिन इससे यह सच्चाई नहीं छिप सकती कि कानून एवं व्यवस्था राज्यों के अधिकार क्षेत्र का मसला है। यह अजीब है कि राज्य सरकारें अपने अधिकार क्षेत्र वाले इस विषय को लेकर खूब मुखर तो रहती हैं, लेकिन इस पर कम ही ध्यान देती हैं कि कानून एवं व्यवस्था को चुनौती देने वाले तत्वों पर सही तरह से लगाम लगे। क्या यह बेहतर नहीं होता कि सभी दल अपने-अपने दल की सरकारों को हर किस्म के असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाने के लिए कहते? यह साबित करना समस्या का सरलीकरण करना और तंग नजरिये का ही परिचय देना है कि केवल भाजपा शासित राज्यों में ही असामाजिक तत्व बेलगाम हैं अथवा भीड़ की हिंसा सिर्फ इन्हीं राज्यों में देखने को मिल रही है? चूंकि विपक्षी दल यह साबित करने की कोशिश कर रहे हैं कि बेलगाम गौरक्षक भाजपा से जुड़े हैं अथवा उसका समर्थन पा रहे हैं इसलिए इस दल के नेताओं को ऐसे तथाकथित गौ सेवकों से न केवल दूरी बनानी चाहिए, बल्कि उन्हें चेताना भी चाहिए। कानून हाथ में ले रहे गौरक्षक भाजपा के साथ-साथ सच्चे गौ सेवकों को भी बदनाम कर रहे हैं। गायों की रक्षा के नाम पर हिंसा का सहारा लेने वाले तत्वों के बारे में प्रधानमंत्री ने यह सही कहा था कि ये फर्जी गौरक्षक हैं। यदि कोई सच्चा गौ रक्षक है तो वह कैसे भी हालात हों, हिंसा का सहारा ले ही नहीं सकता। गौ सेवा की अवधारणा में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं और न ही हो सकता है। क्या यह विचित्र नहीं कि एक ओर तो तथाकथित गौ रक्षकों की उग्रता बढ़ी है और दूसरी ओर गायों की दुर्दशा में कहीं कोई कमी आती नहीं दिख रही है? क्या यह कहा जा सकता है कि सड़कों पर छुट्टा घूमती गायों की संख्या में कमी आई है? आखिर गायों की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरने वाले कितने गौरक्षक ऐसे हैं जिन्होंने गौ शालाओं के लिए जमीन और धन का दान किया है? क्या ऐसे गौरक्षकों ने इस सवाल का जवाब खोजा है कि बीमार, बूढ़ी और दूध न देने वाली गायों का क्या किया जाए? इस सवाल से मुंह मोड़ना सच्चाई का सामना करने से बचना है। चूंकि अब यह भी देखने में आ रहा है कि गौरक्षकों की उग्रता के चलते गरीब किसानों को गाय बेचने-खरीदने में कठिनाई आ रही है इसलिए राज्य सरकारों को चेतना चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि हिंसा का सहारा ले रहे कथित गौ रक्षक समाज के साथ-साथ गायों के लिए भी मुसीबत बन रहे हैं।

## सुविचार

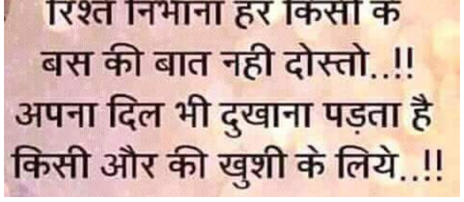


# भारत के बढ़ते कद से चिंतित चीन

**द्वितीय** विश्व युद्ध के चार दशकों बाद तक दुनिया दो खेमों में बंटी रही। एक खेमे की अगुआई अमेरिका कर रहा था तो दूसरे की कमान पूर्व सोवियत संघ के हाथों में थी। हालांकि नब्बे के दशक में सोवियत संघ के विघटन और वारसा की संधि समाप्त होने के बाद ये खेमे भी खत्म हो गए। लगा कि दुनिया एकध्रुवीय हो जाएगी। विश्वविख्यात राजनीतिक विश्लेषक फ्रांसिस फुकुयामा ने इसका निचोड़ यही निकाला कि अब पश्चिमी अवधारणा वाला लोकतंत्र ही शासन की इकलौती स्वीकार्य शैली रह जाएगी। उनकी भविष्यवाणी जल्द ही गलत साबित हो गई और यूरोपीय संघ, कुछ लैटिन अमेरिकी देशों के अलावा नई क्षेत्रीय ताकत के रूप में चीन के उभार ने अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती पेश की। हालांकि ब्रेक्सिट और कई यूरोपीय देशों में राष्ट्रवादी दलों के उभार से यूरोपीय संघ की ताकत में कमी आई है। वहीं समय के साथ चीन ने आर्थिक एवं सैन्य शक्ति खासी बढ़ाई है। 2013 में सत्ता संभालते ही शी चिनफिंग चीन को महाशक्ति का दर्जा दिलाने की पुरजोर कोशिश में जुट गए। चीन ने अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों के साथ व्यापार एवं निवेश के भारी-भरकम करार किए। अपने पड़ोसियों के बीच चीन खुद को महाशक्ति के तौर पर पेश करता है। भीमकाय आकार में बढ़ा उसका व्यापार और जीडीपी उसकी ऊंची छलांग को दर्शाते हैं। शी अपनी कूटनीतिक शैली से उन देशों को साधने में भी कामयाब रहे जो चीन को भी अड़ियल देश मानते आए थे। चीन ने रूस और मध्य एशियाई देशों के साथ मिलकर जिस शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बुनियाद रखी शुरूआत में उसे पूरब के नाटो के रूप में प्रचारित किया गया। हालांकि भारत के एससीओ का पूर्ण सदस्य बनने के बाद वह ऐसी आशंका खत्म हो गई है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटिश साम्राज्य के पतन के साथ ही किसी देश को महाशक्ति मानने के मानदंड ही बदल गए। अब किसी देश का भौगोलिक आकार, आबादी, अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति, कूटनीतिक कौशल जैसे पैमाने किसी देश को महाशक्ति का दर्जा हासिल करने के पैमाने बन गए हैं। क्षेत्रफल के लिहाज से भारत दुनिया का सातवां सबसे बड़ा देश है जिसकी आबादी तकरीबन 1.3 अरब है। इसकी अर्थव्यवस्था भी तीन लाख करोड़ डॉलर की है जो सालाना सात फीसदी से अधिक की दर से बढ़ रही है।

भारत के पास दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी सेना भी है जिसका तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा है। ये सभी पहलू उसे महाशक्ति का दर्जा दिलाने की कूवत रखते हैं। 2014 में सत्ता संभालने के बाद से ही प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को ऊंची आर्थिक वृद्धि के पथ पर अग्रसर करने के लिए कई नए कदम उठाए। उन्होंने कूटनीतिक मोर्चे पर भी कई व्यावहारिक एवं दूरदर्शी पहल भी की है। स्टार्टअप इंडिया एवं स्टैंडअप इंडिया के साथ नोटबंदी, जीएसटी आदि के जरिये अर्थव्यवस्था को अपेक्षित गति मिली है। माना जाता है कि अगले पांच से दस वर्षों के दौरान भारत दो अंकों में वृद्धि दर्ज करने की स्थिति में आ जाएगा। दूसरी ओर चीनी अर्थव्यवस्था चरम पर पहुंचने के बाद उतार की ओर है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि अगर यही रुझान कायम रहा तो 2025 तक भारत चीन की बराबरी कर लेगा और 2050 तक उसे पछाड़ भी देगा। हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय विकास केंद्र की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों के दौरान वैश्विक वृद्धि की धुरी चीन से खिसककर पड़ोसी भारत की ओर केंद्रित हो गई है और अगले दशक तक यही स्थिति कायम रहने के आसार हैं। 2015 के ताजा आंकड़े चीन के निर्यात में गिरावट को दर्शाते हैं। वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से चीन की आर्थिक रैंकिंग भी कम हुई है। भले ही तेज आर्थिक वृद्धि के चलते चीन में बढ़ी आमदनी के कारण विषमता कम हुई हो, लेकिन यह तय है कि अब वहां सुस्ती के संकेत नजर आने लगे हैं। अधिकांश आर्थिक विश्लेषकों को लगता है कि भारत इक्कीसवीं सदी की महाशक्ति बनेगा। भारत में परिपक्व लोकतंत्र की सहजता और मोदी सरकार को कोशिशों के चलते भ्रष्टाचार में आई कमी से भारत निकट भविष्य में उद्यमों के लिए पसंदीदा ठिकाने के रूप में और ज्यादा मजबूती से उभरेगा। तेज वृद्धि के प्रतिफल को देश के वंचित वर्ग तक पहुंचाने की उचित व्यवस्था और ऊर्जा संसाधनों के समझदारी से उपयोग के चलते भारत मिसाल बनने का माद्दा रखता है। युवा आबादी और दुनिया में अंग्रेजी जानने वाले दूसरे सबसे बड़े देश के रूप में भारत को चीन के ऊपर बढ़त भी हासिल है। अधिकांश औद्योगिक देशों में युवाओं की संख्या घटने पर है। इसका अर्थ है कि वहां कामकाजी आबादी की किल्लत होगी। उनकी तुलना में भारत के पास ऐसे युवाओं का हुजूम होगा। हार्वर्ड विवि की रपट के अनुसार इसके आधार पर भारत की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2050 तक मौजूदा स्तर के मुकाबले 20 गुना तक बढ़ जाएगी।

इस साल मई में अपनी वन बेल्ट, वन रोड योजना की पेशकश के वक्त चीन ने उम्मीद जताई थी कि इस योजना और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे यानी सीपीईसी से जुड़कर भारत हमेशा के लिए उसके प्रभुत्व को स्वीकार कर ले। हालांकि कुछ स्वंयभू रणनीतिकारों ने इस योजना से जुड़ने की वकालत भी की थी, मगर मोदी ने उससे जुड़ने के बजाय चीन की चुनौती स्वीकारते हुए आर्थिक वृद्धि की अपनी एशियाई-अफ्रीकी वृद्धि गलियारे के जरिये उसका जवाब देने का निश्चय किया। जापान के सहयोग के अलावा अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूरोपीय संघ और युंगाडा, केन्या, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, वियतनाम और थाईलैंड जैसी अफ्रीका और एशिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के साथ से मोदी की यह आर्थिक परियोजना बीजिंग के सामने भारत का कद बढ़ा सकती है। यह स्थिति ही चीन की चिंता का कारण नजर आती है। गैर-लोकतांत्रिक ढांचे और कारोबारी सौदों में पारदर्शिता की कमी और मनमाने रुख के चलते चीन अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से एक कटा हुआ है जो उसे वैश्विक महाशक्ति का दर्जा दिलाने में अवरोध की तरह है। वहीं सभी देशों के बीच भारत की छवि बेहतर होने के साथ ही स्वीकार्यता भी ज्यादा है। इन पहलुओं के अलावा देश का नेतृत्व भी उसे प्रतिस्पर्द्धी देशों पर बढ़त बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

मोदी में भी कुछ दुर्लभ कूटनीतिक गुण नजर आते हैं। विदेशी समकक्षों के साथ निजी रिश्तों में गर्मजोशी उनकी खास थाती है। वह तुनकमिजाज नेताओं का दिल भी जीत सकते हैं। बेहतरीन संवाद कौशल, दूरदर्शिता और भारत को आगे ले जाने की असीम उत्कंठा उनमें प्रत्यक्ष दृष्टिगत होती है। चाहे अमेरिकी ट्रंप हों या ओबामा या रूस के पुतिन, मोदी ने सभी के साथ बेहतर निजी रिश्ते बनाने में सफलता हासिल की है। तीन सालों के दौरान मोदी ने वैश्विक समुदाय में भारत को अग्रणी देशों की पांत में ही रखा है। हालिया अमेरिका, इजरायल और जी-20 के लिए जर्मनी की यात्रा में उन्होंने अपने कूटनयिक कौशल की छटा बिखेरी है। इजरायल के साथ प्रगाढ़ होते संबंधों में भारत को सैन्य, कृषि, ऊर्जा, सामुद्रिक, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस में अत्याधुनिक तकनीक का लाभ मिलेगा। इससे भारत जर्मनी, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे तकनीक समृद्ध देशों का मुकाबला कर सकता है। हाल में बढ़ी चीनी चुनौती को देखते हुए जापान और अमेरिका के साथ चल रहा मालाबार अभ्यास भी मोदी के कूटनयिक कौशल को दर्शाते हुए इस पर मुहर लगाता है कि भारत महाशक्ति बनने की सही राह पर है।

# धरोहरों को नुकसान

**पश्चिम** बंगाल के पहाड़ी क्षेत्रों को मिलाकर अलग गोरखलैंड राज्य की मांग को लेकर बंद और आंदोलन जारी है। परंतु, आंदोलन की आग में सबसे अधिक नुकसान दार्जिलिंग में ऐतिहासिक धरोहरों का हो रहा है। आंदोलनकारी ऐतिहासिक धरोहरों में तोडफोड व आगजनी कर रहे हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल टवाय ट्रेन के सोनादा स्टेशन को जला दिया गया और अब सदियों पुराने राज राजेश्वरी हॉल को भी निशाना बनाया गया है। यह हॉल न केवल बंगाली एसोसिएशन का प्रतीक रहा है, बल्कि कर्सियांग में सबसे पुराने हॉल्सों में से भी एक है जिसे मंगलवार की देर रात आंदोलनकारियों ने आग के हवाले कर दिया। इसी तरह गोरखलैंड समर्थकों ने बिजोनबाड़ी में बिजली विभाग के बंगले को भी आग के हवाले कर दिया और 17 माइल में कल लकड़ी से बनी जीपी इमारत की पहली मंजिल को भी निशाना बनाया। क्या ऐसे धरोहर व ऐतिहासिक इमारतों को नुकसान पहुंचाने से समस्या का समाधान हो जाएगा? क्या आंदोलन को नेतृत्व देने वाले लोगों को जिम्मेवारी नहीं है कि पहाड़ पर मौजूद ऐतिहासिक संपत्तियों की रक्षा करें? आंदोलन करने वालों को समझाए कि यह संपत्ति उन्हीं लोगों की है जिसे वह फूंक रहे हैं। इससे आखिर नुकसान किसका हो रहा है? आज जो भी सरकारी इमारतें, रेलवे स्टेशन बना है यह तो उन्हीं लोगों के द्वारा विभिन्न तरीके से चुकाए गए टैक्सों से तैयार हुआ है। वहीं के लोगों ने अपना खून-पसीना बहा कर उसे तैयार किया है। फिर उसे क्यों फूंका जा रहा है? आगजनी, तोडफोड़ या फिर झड़पहसा से आज तक किसी भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। आंदोलन करना है तो शांतिपूर्ण तरीके से सरकारी व ऐतिहासिक संपत्तियों को बिना नुकसान पहुंचाए किया जाना चाहिए। क्योंकि, एक घर बनाने में लोगों को कई दशकों लग जाते हैं, लेकिन उसे उजाड़ने में कोई वक्त नहीं लगता है। पहाड़ पर आंदोलन करने वाले युवाओं से लेकर हर वर्ग के लोगों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। क्योंकि, दार्जिलिंग की सुंदरता वहां की इमारत व धरोहर भी है। देश व विदेशों से लोग दार्जिलिंग घूमने और ऐसे ही ऐतिहासिक महत्व व धरोहरों को देखने के लिए जाते हैं और आंदोलन के नाम पर उसे ही नष्ट कर दिया जाएगा तो आने वाले समय कोई भी व्यक्ति दार्जिलिंग जाना पसंद नहीं करेगा। ऐसे में दार्जिलिंग की खूबसूरती नष्ट हो रही है। केंद्र व राज्य सरकार को भी चाहिए कि इस समस्या का समाधान जल्द तलाशे ताकि धरोहर नष्ट न हो।

# बाहुबली के सीन कॉपी करने के चक्कर में गई जान

## छलांग लगाते ही नीचे गिरा

**मुंबई।** फिल्म 'बाहुबली' के एक सीन को कॉपी करने के चक्कर में मुंबई के एक बिजनेसमैन की जान चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, ऊंचाई से गिरने के कारण शख्स की मौत हुई है। उसके फ्रेंड्स ने उसकी बॉडी को बाहर निकला। बिजनेसमैन के भाई का आरोप है कि उसे धक्का दिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, मुंबई का रहने वाला इंद्रपाल पाटिल अपने फ्रेंड्स के साथ 14 जुलाई को शाहपुर के माहुली फोर्ट घूमने गया था। उसके फ्रेंड्स ने पुलिस को बताया कि, वहां भी ठीक वैसा ही झरना है जैसा फिल्म 'बाहुबलीः द बिगनिंग' में दिखाया गया था। पुलिस के मुताबिक इंद्रपाल ने उस झरने के एक हिस्से से दूसरी ओर ठीक उसी तरह से छलांग लगाईं जैसे प्रभास ने फिल्म में लगाई थी। शाहपुर पुलिस के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों के दौरान इस वाटरफॉल में कूदने के चक्कर में कई लोग घायल और मृत हुए हैं। पुलिस का मानना है कि मानसून के मौसम में इस तरह के मामले बढ़ जाते हैं। पहले भी कई लोग इस झरने के नीचे जान गंवा चुके हैं। पिछले महीने एक पानी के नीचे नाहा रहा एक शख्स हार्टअटैक से मर गया था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, ऊंचाई से गिरने के कारण शख्स की मौत हुई है। उसके फ्रेंड्स ने उसकी बॉडी को बाहर निकला।

भाई ने जताया धक्का देने का शक

इस चक्कर में इंद्रपाल गहरी खाई में गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। इंद्रपाल के भाई महेंद्र के मुताबिक, उसकी मौत ऊंचाई से गिरने के कारण हुई है। यह उनके परिवार के लिए बहुत शॉकिंग है। महेंद्र ने इंद्रपाल की मौत पर शक जताते हुए कहा है कि, उनके भाई को स्टंट करने का शौक नहीं था। उसे धक्का दिया गया है। उन्होंने इस मामले की जांच की मांग की है।

## बॉम्बे हाईकोर्ट की फटकार

# ठीक से नहीं चला सकते तो बंद कर दो मानवाधिकार आयोग

**मुंबई।** राज्य मानवाधिकार आयोग कि दुर्दशा पर नाराजागी व्यक्त करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि सरकार आयोग को ठीक तरह से नहीं चला सकती तो वह उसे बंद कर दे। दरअसल आयोग में बुनियादी सुविधाओं के अभाव को आधार बनाकर सामाजिक कार्यकर्ता नरेश गोसावी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें आयोग को कामकाज लिए पर्याप्त स्टाफ व जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने का राज्य सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया गया।

### सरकार ने मांगा समय

सरकारी वकील प्रियभूषण काकडे ने कहा कि गृह विभाग के अधिकारी ने मामले को लेकर हलफनामा दायर किया है, लेकिन वह संतोषजनक नहीं है। इसलिए उन्हें थोड़ा वक्त दिया जाए। खंडपीठ ने सरकारी वकील को अगली सुनवाई के दौरान स्पष्ट करने को कहा है कि अब तक आयोग की स्थिति को सुधारने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और सरकार कौन से प्रस्तावित कदम उठाने वाली है। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई 31 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी है।

# कैमरे में कैद हुआ गुंडे का मर्डर, 70 सेकंड में तलवार से किए 70 वार

**धुले।** महाराष्ट्र के धुले में एक टी शॉप में हुई कुख्यात गुंडे रफीदुद्दीन शफीउद्दीन शेख उर्फ गुड्डा की मंगलवार को हुई हत्या का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें तकरीबन डेढ़ मिनट तक 10 से 12 लोग धारदार हथियारों से रफीदुद्दीन पर लगातार हमला करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो फुटेज में हत्यारे 70 सेकंड में 70 बार हमला करते हुए नजर आ रहे हैं। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने की बात कह रही है। जानकारी के मुताबिक, गुड्डा शहर के परोला रोड पर बने एक होटल में दोपहर 12:30 बजे चाय पीने पहुंचा था। वहां पहले से ही कुछ संदिग्ध उसका इंतजार

कर रहे थे। गुड्डा को देखते ही एक ने पानी से भरी बाल्टी उसपर फेंक दी। इसके बाद वहां पहले से इंतजार कर रहे कुछ और हमलावरों ने उसपर धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ अटैक शुरू कर दिया। जान बचाने के लिए रफीदुद्दीन बाहर की ओर भागा लेकिन वहां भी पहले से इंतजार कर रहे लोगों ने उसपर हमला कर दिया। हमला करने के बाद सभी आरोपी बाइक्स और स्कूटर पर सवार होकर फरार हो गए। इसके बाद आसपास के लोग घायल हाल में गुड्डा लेकर पास के हॉस्पिटल में पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

**70 सेकंड में 70 बार वार**

गुड्डा पर तकरीबन 70 सेकंड तलवार से 70 बार वार किया गया। कुछ ने उसके चेहरे पर और कुछ ने उसके हाथ को बुरी तरह से काट डाला। इस हमले में गुड्डा का गुप्तांग भी कट गया है। हत्यारों ने रफीदुद्दीन पर इतनी बुरी तरह से हमला किया कि तलवार भी मुड़ गई। होटल के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में हमलावरों की तस्वीरें कैद हो गई है। पुलिस अब इस वीडियो के आधार पर आरोपियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है। जिले के एसपी एम. रामकुमार ने कहा है कि, पुलिस आरोपियों के काफी करीब है जल्द ही सभी की गिरफ्तारी होगी। एसपी रामकुमार ने बताया कि, गुड्डा एक शातिर अपराधी था। उसपर हत्या और लूट के कई मामले दर्ज हैं। माना जा रहा है कि पुरानी रंजिश में गुड्डा की हत्या हुई है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

**कोविंद जीते**

यह भारतीय परंपरा की महानता का प्रतीक है। मुझे यह जिम्मेदारी दिया जाना उस हर व्यक्ति के लिए उदाहरण है जो ईमानदारी से मेहनत करता है।' कोविंद ने यूपीए उम्मीदवार मीरा कुमार को शुभकामनाएं भी दी। वहीं मीरा कुमार ने रामनाथ कोविंद को जीत की बधाई देते हुए कहा 'मैं कोविंद जी को शुभकामनाएं देना चाहती हूं कि वह चुनौतीपूर्ण समय में संविधान का गरिमा को बनाए रखें। जिस विचारधारा की लड़ाई के लिए मैं आगे आई थी वह आज खत्म नहीं हुई है। आप सबने हमेशा साथ दिया है, आप सबको धन्यवाद।' इससे पहले, रिटर्निंग ऑफिसर अनूप मिश्रा ने रामनाथ कोविंद की जीत का औपचारिक एलान किया। उन्होंने बताया कि रामनाथ कोविंद को 7,02,044 वोट हासिल हुए हैं जबकि मीरा कुमार को कुल 3,67,314 मिले हैं।

**अक्षय कुमार के...**

खबर के अनुसार, यह वेबसाइट 'आर्मी वेलफेयर फंड बैटल कैजुएलिटिज' नाम से है और इसका अक्षय कुमार के प्रयासों से कुछ लेना-देना नहीं है। गौरतलब है कि सेना में शहीद हुए जवानों के परिवार को आर्थिक मदद पहुंचाने की मुहिम के तहत पिछले दिनों बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने एक वेबसाइट लॉन्च की थी जिसका नाम था भारत के वीर। दिल्ली के विज्ञान भवन में गृहमंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में इस वेबसाइट को लॉन्च किया गया था जहां 15 लाख रुपये तक की राशि शहीदों के परिवारों की मदद के लिए दान की जा सकती है। अक्षय कुमार के सुझाव पर गृह मंत्रालय ने यह वेबसाइट और ऐप तैयार किया है। अक्षय ने सरकार को सुझाव दिया था कि सीमा या आंतरिक सुरक्षा में तैनाती के दौरान शहीद हुए सशस्त्र बल के जवानों का ऑनलाइन ब्यौरा सार्वजनिक होना चाहिए, जिसकी मदद से कोई भी व्यक्ति शहीद जवान के परिवार को मदद मुहैया करा सके। बता दें कि कुछ समय पहले अक्षय ने सुकमा नक्सली हमले में शहीद जवानों के परिजनों की मदद के लिए देश के लोगों से मदद की अपील की थी। इसके लिए उन्होंने एक ऑडियो मैसेज भी जारी किया था। अक्षय ने अपने ट्विटर अकाउंट पर भारत के वीर का एक वीडियो भी शेयर किया था।

**'बीफ पॉलिटिक्स' कर रही है...**

अरुण जेटली ने कहा कि अगर किसी राज्य में गोहत्या पर प्रतिबंध है और वहां ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाता है, तो वो गलत है। इस दौरान अरुण जेटली ने कुछ घटनाओं से पूरी दुनिया में भारत की छवि बिगड़ने का भी जिक्र किया। जेटली ने बताया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले जुलूस निकाले गए कि चर्च पर अटैक हो रहे हैं। जिसका दुनिया के अंदर प्रचार हो गया कि भारत में चर्च पर अटैक किए जा रहे हैं। अरुण जेटली ने कहा कि कुछ घटनाओं पर ऐसा रिएक्ट नहीं करना चाहिए।

**लालू को एक...**

2011 में पटना में बेउर जेल के पास एक पेट्रोल पंप के आवंदन के लिए तेजप्रताप ने आवेदन दिया था। उन्हें आवंटित उक्त पेट्रोल पंप के खिलाफ बीपीसीएल ने यह कार्रवाई चंद्रशेखर नाम के शख्स की शिकायत पर की थी जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि जिस जमीन के आधार पर इस पेट्रोल पंप का आवंटन तेजप्रताप को किया गया था, वह उनके नाम से नहीं है। भारत पेट्रोलियम के नियमों के मुताबिक डीलरशिप सिर्फ़ उन्हीं लोगों को दी जा सकती है जो बेरोजगार हैं या फिर जिनके पास आय का कोई दूसरा साधन नहीं है। चूंकि तेज प्रताप बिहार के स्वास्थ्य मंत्री हैं और इसके अलावा उनके पास लघु सिंचाई और पर्यावरण मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार भी है।

# दलित मुद्दे पर मायावती के इस्तीफे से BJP परेशान

कहने को तो भाजपा के नेता कह रहे हैं कि मायावती ने राज्यसभा से इस्तीफा देने की जो नौटंकी की है उससे उनको (मायावती) कोई फायदा नहीं होने वाला है क्योंकि उनका दलित आधार अब भाजपा की तरफ खिसक आया है। यदि उनको दलित अपना नेता मानता तो उप्र में 3 माह पहले हुए विधानसभा चुनाव में बसपा एक भी सीट तो जीती होती। बसपा को एक भी सीट नहीं मिली। इससे मायावती को अपनी हैसियत का पता चल जाना चाहिए था लेकिन लगता है कि उनको अब भी अपने बारे में भ्रम है।

जानकारी मुताबिक जो भी भाजपा नेता यह बात कह रहे हैं उनसे जब यह पूछा जा रहा है कि उप्र विधानसभा चुनाव में बसपा को लगभग 20 प्रतिशत वोट मिले हैं कि नहीं? उनका जवाब होता है, हां मिले तो हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि सपा को भी इससे थोड़े ही अधिक मिले हैं या नहीं? भाजपा नेताओं का जवाब होता है कि हां। कुछ प्रतिशत कांग्रेस को भी मिले हैं या नहीं? जवाब होता है, हां।

उनसे जब यह पूछा जाता है कि जिस तरह से भाजपा की केन्द्र सरकार चुन-चुन कर केवल कुछ विपक्षी नेताओं को ही भ्रष्टाचारी बता रही है, उनके यहां सी.बी.आई., आयकर, प्रवर्तन निदेशालय आदि के छापे डलवा रही है, उनकी सम्पत्ति सीज करवा रही है, उससे यदि विपक्षी दल आपस में गोलबंद होकर चुनाव लड़ें तब क्या होगा, यदि उप्र में सपा, बसपा और कांग्रेस ने मिलकर भाजपा के विरुद्ध 2019 का चुनाव लड़ा तब तो तीनों को अलग-अलग मिले वोट प्रतिशत का योग बढ़ाकर भाजपा को मिले वोट प्रतिशत से 3 से 4 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा और भाजपा खलास हो जाएगी? इस पर भाजपा नेताओं का जवाब होता है-न नव मन तेल होगा न ही राधा नाचेगी। ये मिलेंगे ही नहीं तो आपस में गठबंधन करके भाजपा के विरुद्ध चुनाव कैसे लड़ेंगे। इस तरह भाजपा नेताओं को लगता है कि विपक्षी दल आपसी गठबंधन ही नहीं कर पाएंगे।

हो सकता है कि भाजपा ने इनको अलग-अलग डरा रखा हो कि यदि आपने आपस में गठबंधन करने की कोशिश की तो आपकी हालत भी लालू व उनके कुनबे के यहां ह्यमार छापा-मार छापाह्व वाली कर दी जाएगी। फिर ऐसे में मायावती क्या करेंगी। मायावती का राज्यसभा में टर्म अप्रैल, 2018 में पूरा हो रहा है, यानी उनका राज्यसभा में कार्यकाल अभी 9 माह और है।

यदि उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया जाता है या नहीं मंजूर किए जाने पर भी वह अब राज्यसभा में नहीं जाती हैं तो क्या करेंगी? तब वह उप्र में दलितों पर हो रहे हमलों, मुसलमानों को मारे जाने आदि को मुद्दा बनाकर धरना-प्रदर्शन करवाएंगी और इलाहाबाद के पास फुलपुर संसदीय सीट से लोकसभा का उपचुनाव लड़ सकती हैं जिसको उपमुख्यमंत्री बन जाने के बाद केशव प्रसाद मौर्य अगस्त, 2017 में खाली करेंगे। यानी भाजपा सांसद पद से इस्तीफा देंगे तो वहां उपचुनाव होगा। चर्चा है कि मायावती ने यदि फुलपुर से उपचुनाव लड़ा तो उनको अखिलेश वाली सपा और कांग्रेस मदद करेंगी। उनके विरुद्ध कोई प्रत्याशी नहीं खड़ा करेंगी। यदि वहां से सपा व कांग्रेस के सहयोग से मायावती जीत गईं तो यह एक तरह से भाजपा को करंट लगने जैसा होगा।

# हार के बाद बोली मीरा- विचारधारा और मूल्यों की लड़ाई रहेगी जारी

राष्ट्रपति चुनाव में पराजित होने के बाद विपक्ष की उम्मीदवार मीरा कुमार ने आज कहा कि विचारधारा और मूल्यों की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। मीरा कुमार ने राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए रामनाथ कोविंद को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कोविंद पर अब देश के संविधान की रक्षा करने का दायित्व है। राष्ट्रपति चुनाव की आज हुई मतगणना में कोविंद करीब 66 प्रतिशत मत हासिल कर विजयी घोषित किए गए। मीरा को करीब 34 प्रतिशत मत मिले। उन्होंने निर्वाचक मंडल के सदस्यों से अंतर्रात्मा की आवाज पर मतदान करने की अपील की थी।

**अभिव्यक्ति की आजादी के लिए करती रहेंगी संघर्ष**

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव का परिणाम आ जाने से विचाराधारा और मूल्यों की लड़ाई समाप्त नहीं हुई है बल्कि यह आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि वह सामाजिक न्याय, पारदर्शिता, धर्मनिरपेक्षता, अभिव्यक्ति की आजादी

और जातिवादी व्यवस्था के विनाश के लिए संघर्ष करती रहेगी क्योंकि सभी लोग यही चाहते हैं। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव का उम्मीदवार बनाए जाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा अन्य विपक्षी दलों के प्रति आभार जताया। उन्होंने निर्वाचक मंडल के सदस्यों को भी धन्यवाद दिया।

# तिब्बत पर अमरीकी कांग्रेस ने पलटा ट्रंप का निर्णय

अमरीकी कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण समिति ने तिब्बत को दी जाने वाली सहायता में कटौती कर उसे शून्य पर लाने के ट्रंप प्रशासन के निर्णय को पलटते हुए तिब्बत को आर्थिक सहायता और लोकतंत्र तथा मानवाधिकार कार्यक्रमों को सहायता देने की अमेरिका की दशकों पुरानी नीति को बनाए रखने वाले विधेयक को मंजूरी दी है। ट्रंप प्रशासन ने मई में अपने बजट प्रस्ताव में तिब्बत को दी जानी वाली आर्थिक सहायता को पूरी तरह से बंद करके उसे शून्य कर दिया था। जिससे विश्व भर में तिब्बती लोगों को मायूसी हुई थी। डैमोक्रेटिक सदस्य नैंसी पिलोसी ने इस कदम पर चिंता व्यक्त की थी वहीं विदेश मंत्रालय ने अपने इस निर्णय को कठिन निर्णय करार दिया था क्योंकि उसके बजट में ही 28 प्रतिशत से अधिक की कटौती की गई थी। लेकिन स्टेट एंड फॉरेन ऑपरेशन्स एप्रोप्रियेशंस बिल 2018 में तिब्ब्त को मिलने वाली सहायता को बरकरार रखा गया है।

# न्यूक्लियर टेस्ट न करने के लिए US ने दिया था ऑफरः नवाज

पनामागेट मामले में बुरी तरह फंसे नवाज शरीफ धीरे-धीरे कुछ पुराने राज खोल रहे हैं। शरीफ ने बुधवार को अपना पक्ष रखते हुए कहा कि यदि उन्हें पाकिस्तान की चिंता न होती तो वे यह ऑफर मंजूर कर लेते। दरअसल शरीफ ने बुधवार को बताया कि 1998 में न्यूक्लियर टेस्ट न करने के लिए उन्हें बिल क्लिंटन ने 5 अरब डॉलर (करीब 32 हजार करोड़ रुपए) का ऑफर दिया था। बता दें कि उस वक्त क्लिंटन अमरीका के राष्ट्रपति थे।

पाक मीडिया के मुताबिक, शरीफ ने अपोजिशन लीडर पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों का टारगेट सिर्फ नवाज शरीफ को पद से हटाना और फिर अपना रास्ता बनाना है। वे यह जनमत से नहीं कर सकते और अब एक दूसरा रास्ता अपना रहे हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सियालकोट चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रोग्राम में शरीफ ने अपने संबोधन में ये बातें कही।

**1998 में भारत ने किया था न्यूक्लियर टेस्ट**

1998 में भारत ने उस वक्त के पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई में राजस्थान के पोखरण में न्यूक्लियर टेस्ट किया था। इसके कुछ दिन बाद ही पाकिस्तान ने भी न्यूक्लियर टेस्ट किया था। उस वक्त पाकिस्तान में नवाज शरीफ की सरकार थी।

**पीएम के पद से इस्तीफे की मांग**

बता दें कि नवाज पर इस वक्त पनामागेट मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस चल रहा है। इसमें ज्वाइंट इन्वेस्टिगेशन टीम (जेआईटी)की ओर से सुप्रीम कोर्ट में शरीफ पर प्रॉपर्टी का ब्योरा छिपाने के आरोप लगाने के बाद उनका यह बयान आया है। नवाज शरीफ से विपक्षियों द्वारा पीएम के पद से इस्तीफे की मांग की जा रही है। शरीफ ने अपने विरोधियों को चेताया है कि यदि आज उन्हें दोषी ठहराया गया है तो कल उनकी बारी होगी।

# गणेश आचार्य ,मदालसा शर्मा और सिंगर रिमेश राजा का गाना अँधेरी के पीवीआर में लांच

पिछले १५ साल से कोलकाता के रहनेवाले रिमेश राजा पूरी दुनिया में शो करते आ रहे हैं।इनको पहचान मिली २००६ में जब इन्हे जानेमाने सिंगर कम्पोजर हिमेश रेशमिया के डुप्लीकेट के रूप में मीडिया ने रिमेश राजा को रिमेश रेशमिया कहकर धूम मचाया। रिमेश राजा ने अपनी पहली एल्बम धोका में गणेश आचार्य और मदालसा शर्मा के साथ वीडियो शूट किया जिसका संगीत दिया राजीब मोना ने ,गीत लिखे श्याम राज ने । रिमेश राजा ने मीडिया को बताया की वो गणेश मास्टर जी के पीछे २००५ से पड़े हैं । उन्होंने कहा था सही समय आने पर मैं तुम्हारे लिए वीडियो करूँगा और मेरा सौभाग्य देखिये की वो मेरे साथ वीडियो में डांस और अभिनय कर रहे हैं . ये गीत जी म्यूजिक कंपनी ने लांच किया है। वीडियो को लांच करने मदालसा शर्मा और गणेश आचार्य आये जहाँ रिमेश राजा ने मीडिया सामने लाइव परफॉर्म किया। रिमेश ने गणेश मास्टर जी ,हिमेश रेशमिया और मीडिया का धन्यवाद किया। इस वीडियो का यूट्यूब लिंक है। https://youtu.be/8doBWn4jjoM

# केजरीवाल के कैबिनेट में फेरबदल, सिसोदिया से वापस ली अहम जिम्मेदारी!

दिल्ली सरकार ने अपने मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से राजस्व विभाग और को-ऑपरेटिव सोसाइटीज के रजिस्ट्रार का प्रभार वापस ले लिया गया है। अब उन्हें पर्यटन मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया है। जबकि कैलाश गहलोत को राजस्व विभाग और राजेंद्र गौतम कोऑपरेटिव सोसाइटी के रजिस्ट्रार बनाए गए हैं। माना जा रहा है कि सरकार दिल्ली को स्पेशल टूरिजम सेंटर के तौर पर पेश करने की तैयारी में हैं। इसलिए मंत्रालयों में यह बदलाव किया गया है। टूरिजम सेक्टर सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। इसी को ध्यान में रखते हुए सिसोदिया को सौंपी गई है। हालांकि वह शिक्षा विभाग का कामकाज भी देखते रहेंगे।

**'विपक्ष ने साधा था निशाना'**

वहीं, फेरबदल पर विपक्ष ने केजरीवाल पर कड़े आरोप लगाए हैं। नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता कहते हैं कि मुख्यमंत्री दिल्ली के प्रति अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। उन्हें पू-

रे भारत में एक मात्र ऐसे मुख्यमंत्री होने का गौरव प्राप्त है जिसके पास कोई मंत्रालय अथवा विभाग नहीं है। इसके साथ ही उन्हें एक मात्र ऐसे मुख्यमंत्री होने का गौरव प्राप्त है, जिसका ध्यान राज्य के विकास की ओर न होकर अपनी पार्टी का अन्य राज्यों में विस्तार की तरफ है। यह दिल्ली का दुर्भाग्य है कि उसे ऐसा मुख्यमंत्री मिला जिसका ध्यान अपने राज्य की तरफ कम और अन्य राज्यों की तरफ ज्यादा है।

# सुषमा की चीन को दो टूक- डोकलाम में हमारी मौजूदगी सही, 2012 के समझौते का हो पालन

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने आज राज्यसभा में चीन के साथ सैन्य गतिरोध के मुद्दे पर चर्चा के दौरान बयान दिया। उन्होंने कहा कि डोकलाम में भारत की मौजूदगी सही है। सुषमा ने कहा कि भारत और चीन के बीच सीमा रेखा को रेखांकित किया जाना है। सुषमा दो टूक में कहा कि भारत अपनी सेना पीछे नहीं हटाएगा। उन्होंने कहा कि डोकलाम में एक ट्राईजंक्शन है और 2012 में एक लिखित समझौते के तहत निर्णय हुआ था कि इसमें कोई फेरबदल भारत, चीन और भूटान के बीच चर्चा के बाद ही होगा।

विदेश मंत्री ने कहा कि चीन लगातार वहां आता रहा है। कभी निर्माण के लिए कभी किसी और काम के लिए लेकिन इस बार वे सीधे ट्राईजंक्शन प्वाइंट पर आ गए। कोई भी एकतरफा फैसला हमारी सुरक्षा व्यवस्था के लिए खतरा है। कोई भी देश अपने मन मुताबिक डोकलाम ट्राईजंक्शन को नहीं बदल सकता। उन्होंने कहा कि जैसे ही चीन के साथ सैन्य गतिरोध इसलिए बना हुआ है कि चीन लगातार यह कह रहा है कि भारत अपनी सेना को वापस अपनी सीमा में बुलाए। विदेशमंत्री ने कहा कि चीन की बात मानना संभव नहीं है। हमारा प्वाइंट सही है और बाकी देश इस बात को समझ रहे हैं।

**भारत ने जताया कड़ा विरोध**

चीन की वन बेल्ट वन रोड नीति पर सुषमा ने कहा कि जैसे ही पता चला कि वन बेल्ट वन रोड में चीन पाक आर्थिक कॉरिडोर को डाल रहे हैं तो भारत ने पूरी कड़ाई से अपना विरोध दर्ज कराया।

**मोदी ने ट्रंप को H1B वीजा पर मनाया**

सुषमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा ऐतिहासिक रही। पूरी दुनिया में पीएम ने भारत की एक अलग छवि को सामने रखा है। पीएम मोदी ने अमेरिका दौरे पर राष्ट्रपति ट्रंप को इस बात पर सहमत कर लिया कि भारत के स्किल्ड प्रोफेशनल अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अहम योगदान कर रहे हैं।

# चीन से विवाद सुलझाने की कोशिशें जारी, बीजिंग जाएंगे NSA डोभाल: MEA

चीन के साथ तनातनी के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय का अहम बयान सामने आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गोपाल वागले ने कहा है कि भारत और चीन के बीच विवाद सुलझाने के लिए सभी राजनियक रास्ते खुले हैं। भारत की कोशिश है कि इस विवाद से जुड़े हर मसले का शांतिपूर्ण हल निकाला जाए। हालांकि इस मसले पर संवेदनशील जानकारियां शेयर नहीं की जा सकती।

**'भारतीयों को निशाना बना रहा पाक'**- साथ ही उन्होंने कहा कि चीन में 26-27 जुलाई को होने वाले ब्रिक्स बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल हिस्सा लेने बीजिंग जाएंगे। वहीं, पाकिस्तान का जिक्र करते हुए बागले ने कहा, हमने पाक से कहा है कि उसकी सेना की ओर से हमारे नागरिकों को निशाना बनाया जा

रहा है, इसी महीने हमारे 4 जवान भी शहीद हुए हैं।

**'सुषमा स्वराज की चीन को दो टूक'**- इससे पहले सुषमा स्वराज ने आज राज्यसभा में साफ शब्दों में कहा कि डोकलाम से भारत अपनी सेना तभी पीछे हटाएगी जब चीन अपनी सेना को हटाएगी। गौरतलब है कि भारतीय सेना ने चीन की सेना को इलाके में सड़क बनाने से रोक दिया, जिसके बाद करीब एक महीने से दोनों देशों की सेनाओं के बीच टकराव की स्थिति देखने को मिली है।

# 2000 और 500 के नए नोटों के बाद, अब आ रहा 20 रुपए का नया नोट

भारतीय रिजर्व बैंक जल्द ही 20 रुपए के नए नोट जारी करेगा। आरबीआई इन नोट को महात्मा गांधी सीरीज 2005 के तहत जारी करेगा। इनका डिजाइन सकुर्लेशन में चल रहे 20 रुपए के नोटों जैसे ही होगा। नए नोट में नंबर पैनल में एसलेटर होगा और आर.बी.आई. गवर्नर उर्जित पटेल के सिग्नेचर होंगे। आर.बी.आई. ने बुधवार को नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि नोट के दोनों नंबर पैनल में एस होगा। इनका डिजाइन भी अभी मौजूदा नोटों के समान ही होगा।

आर.बी.आई. ने ये भी साफ किया कि मौजूदा समय में सकुर्लेशन में चल रहे 20 के नोट भी लीगल टेंडर बने रहेंगे। आर.बी.आई. 200 रुपए के नोट जारी करने की भी तैयारी कर रहा है। न्यूज एजेंसी एएनआई के सूत्रों ने बताया था कि इन नोटों की प्रिंटिंग के ऑर्डर जारी कर दिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक रिजर्व बैंक की ओर से जल्द ही 200 रुपए नए नोट जारी करने के बारे में नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। देश में करंसी की अवेलिबिलिटी को बेहतर बनाने के लिए 200 रुपए के नए नोट की प्रिंटिंग शुरू की जा रही है।

# रिटायरमेंट के दिन ही मिल जाएगा पी.एफ और पैंशन का पैसा

अक्सर रिटायरमेंट के बाद लोगों को अपनी जीवनपूंजी यानि पी.एफ और पैंशन के पैसे के लिए धक्के खाने पड़ते है पर फिर भी उन्हें समय पी.एफ और पैंशन नहीं मिल पाती। इस समस्या को दूर करने के लिए अवकाश प्राप्ति कोष निकाय, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन का निपटान करने का निर्देश जारी किया है।

श्रममंत्री बंडारू दात्तात्रेय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को जानकारी दी। यह जानकारी संसद को दी गई है।

ई.पी.एफ.ओ. के द्वारा अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश जारी किया गया है कि वे कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना, 1952 और कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस), 1995 के सदस्यों को सेवानिवृति के दिन को ही भविष्य निधि और पेंशन का भुगतान करें। मंत्री ने कहा कि ग्रेच्युटी के निपटान के संदर्भ में ग्रेच्युटी भुगतान कानून, 1972 के अनुसार जिस व्यक्ति जिस तिथि से ग्रेच्युटी का भुगतान किया जाना है, नियोक्ता को उसके 30 दिनों के भीतर उस राशि का इंतजाम करना होगा। देश में करीब 48.85 लाख केन्द्र सरकार के कर्मचारी और 55.51 लाख पेंशन प्राप्तकर्त्ता है।

# योगी सरकार करवाएगी अखिलेश राज में हुई भर्तियों की सीबीआई जांच

**लखनऊ।** भाजपा सरकार ने पिछले पांच साल तक भर्तियों में हुए भ्रष्टाचार की जांच का आदेश देकर उन प्रतियोगी छात्रों की मुरादें पूरी कर दी हैं, जिनकी आवाज नक्कारखाने में तूती की तरह दब जा रही थीं। प्रतियोगी छात्र अलग-अलग स्तर पर कई सालों से भर्तियों की जांच के लिए आंदोलन चला रहे हैं और उन्होंने अदालत में भी लंबी लड़ाई लड़ी। अब उन्हें उम्मीद है कि भर्तियों का सच सामने आएगा। समाजवादी पार्टी की सरकार में लगभग हर भर्ती को लेकर विवाद खड़े हुए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों का चयन करने वाले उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग तक की भर्तियां भी इससे अछूती नहीं रहीं। तत्कालीन सपा सरकार में अध्यक्ष और सदस्यों को मनमानी करने की पूरी आजादी थी। यही वजह थी कि डॉ. अनिल यादव के कार्यकाल में मनमाने फैसले लिए गए और

हजारों छात्रों को सड़क पर उतरना पड़ा। अंततः हाई कोर्ट ने उनकी नियुक्ति को अवैध करार दिया। जिन भर्तियों को लेकर आरोप लगे हैं, उनमें अधिकांश अनिल यादव के कार्यकाल की ही हैं। पीसीएस 2011 से लेकर पीसीएस 2015 तक की भर्ती पूर्व अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव के कार्यकाल में हुई तो इस दौरान लोअर सबआर्डिनेट की चार भर्ती परीक्षाएं संपन्न हुईं। इनमें प्रशासनिक पद की सूबे की सबसे बड़ी पीसीएस की पांच परीक्षाएं भी शामिल हैं। पीसीएस जे, समीक्षा अधिकारी-सहायक समीक्षा अधिकारी और सहायक अभियोजन अधिकारी की तीन-तीन भर्तियों के परिणाम इस दौरान घोषित किए गए। उनके कार्यकाल में 236 सीधी भर्तियां भी हुईं। अब सीबीआइ की जांच में इन भर्तियों का सच उजागर होगा। गौरतलब है किअनिल यादव के कार्यकाल में ही एसडीएम पद पर एक ही जाति के अभ्यर्थियों का चयन किए जाने के आरोप लगे थे।

### जांच दायरे में होंगे पीसीएस-लोअर के साढ़े छह हजार पद

सपा शासनकाल में पीसीएस 2011 से लेकर 2015 तक लगभग ढाई हजार पदों पर नियुक्तियां हुई हैं। 2011 में एसडीएम और डिप्टी एसपी समेत विभिन्ना श्रेणी के 389 पदों पर भर्ती की गई तो 2012 में 345, 2013 में 650, 2014 में 579 और पीसीएस 2015 में 521 पद भरे गए। इसी तरह बीते पांच साल में लोअर सबार्डिनेट के 4138 पदों पर भर्तियां हुई हैं। प्रतियोगी छात्र समिति की ओर से यह मुद्दा उठाने वाले अशोक पांडेय कहते हैं कि जांच में कई अध्यक्ष व सदस्यों पर शिकंजा कस सकता है।

## हैदराबाद में पहली बार मिला फ्लाइंग स्नेक

**हैदराबाद।** हैदराबाद में गोशामहल के व्यस्त वाणिज्यिक इलाके में एक दुर्लभ उड़ने वाला सांप पाया गया और बचाया गया। ऑरनेट फ्लाइंग स्नेक हल्का विषैला सांप है, जिसे इससे पहले कभी तेलंगाना या आंध्र प्रदेश में नहीं देखा गया है। आमतौर पर यह उड़ने वाला सांप पश्चिमी घाट, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाते हैं। जब फ्रेंड्स ऑफ स्नेक सोसाइटी के बचाव दल के लोगों ने इसे पकड़ा तो यह रोलिंग शटर में छिपा हुआ था और इसे संकोपुरी बचाव केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया। जहां से इस सांप को बचाया गया है, वहां कई लकड़ियों के डिपो हैं और विशेषज्ञों के मुताबिक यह सांप गलती से किसी अन्य राज्य से लकड़ी या प्लाईवुड माल के साथ वहां पहुंच गया है। फ्रेंड्स ऑफ स्नेक सोसाइटी के ज्वाइंट सेक्रेट्री अरुण कुमार ने कहा कि जब हमें कॉल आया, तो लगा कि यह रैट स्नेक या कोबरा होगा।

# बिहार में शुरू हुआ दुनिया के सबसे लंबे पुल का निर्माण

**पटना।** राजधानी में गंगा नदी पर बनने वाले दुनिया के सबसे लंबे सिक्सलेन पुल का निर्माण शुरू हो गया। कुल 67 पायों वाले पुल के निर्माण कार्य को चार वर्षों में पूरा करना है। बुधवार को कच्ची दरगाह की तरफ से पुल के पहले पाये का निर्माण शुरू किया गया है। पहला दिन पायों की ढलाई (वेल फाउंडेशन) का काम किया गया। पथ निर्माण निगम के दावे के मुताबिक यह दुनिया में किसी भी नदी पर बनने वाला पहला सबसे लंबा सिक्सलेन पुल होगा। गंगा पर बनने वाला यह राज्य का पहला सिक्सलेन पुल भी होगा। 9.76 किमी की लंबाई में बनने वाले इस पुल के

निर्माण में अत्याधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। इससे बरसात के दिनों में भी निर्माण कार्य में व्यवधान नहीं आएगा। सिर्फ गंगा के जलस्तर में भारी वृद्धि के बाद ही इसे कुछ दिनों के लिए रोका जा सकता है। परियोजना के लिए करार 10 फरवरी, 2016 को किया गया था। इस लिहाज से इसे हर हाल में 2020 तक पूरा करना है। प्रत्येक पाये के निर्माण कार्य को पूरा करने में करीब छह महीने का समय लगेगा। काम को समय पर पूरा करने के लिए प्रत्येक 15 दिनों पर एक नये पाये का निर्माण शुरू कर देना है। प्रत्येक पाये को बनाने में 12 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

**क्या है विशेषता :** पुल की लंबाई 9.76 किमी प्रस्तावित है। पथ निर्माण निगम के दावे के मुताबिक यह दुनिया में किसी भी नदी पर बनने वाला पहला सबसे लंबा सिक्सलेन पुल होगा। अभी तक देश में सबसे लंबा पुल असम-अरुणाचल प्रदेश को जोडने वाला ब्रह्मपुत्र पुल है, जिसकी लंबाई 9.15 किमी है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी साल 26 मई को किया था। विदुपुर-कच्ची दरगाह पुल के प्रत्येक स्पन की लंबाई 150 मीटर होगी। पुल के डेक की ऊंचाई गंगा के उच्चतम जलस्तर (हाइएस्ट फ्लड लेवल) से 10 मीटर अधिक होगी। यानि बड़ा से बड़ा जहाज भी पुल के नीचे से पार कर सकता है।

**क्या था लफड़ा :** पुल निर्माण शुरू होने में देरी के पीछे जमीन का लफड़ा था। इसकी बाधा दूर हो गई तो काम शुरू कर दिया गया। पुल के लिए 313 एकड़ जमीन की जरूरत है। राज्य सरकार इसके लिए लीज पर जमीन ले रही थी, लेकिन पूरी कवायद के बावजूद जमीन नहीं मिल सकी, जबकि 45 फीसद जमीन मिलने पर ही निर्माण एजेंसी को काम की अनुमति दी जानी थी। ऐसे में आसपास की करीब 56 एकड़ जमीन जो सरकारी है, उसे उपलब्ध कराया गया। अभी एजेंसी को 186 एकड़ जमीन दी जा चुकी है।

# अवैध संबंधों की वजह से हुई बीजेपी नेता कृष्णा शाही की हत्या

### कीटनाशक दवा का किया गया था प्रयोग

*कृष्णा शाही की हत्या में कीटनाशक दावा का प्रयोग किया गया था। एसपी ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए आदित्य राय ने इस बात की पुष्टि की है। एसपी ने बताया कि मृत्यु समीक्षा प्रतिवेदन मे मृतक के शरीर पर बाहरी जख्म नहीं पाया गया है। ऐसे में प्रथम ध्ष्या जहर से ही मौत का मामला सामने आया है।*

**पटना।** बीजेपी नेता कृष्णा शाही की हत्या का खुलासा हो गया है। कृष्णा शाही की हत्या अवैध संबंध को लेकर की गई थी। इस हाई प्रोफाइल मर्डर केस को गोपालगंज पुलिस ने 24 घंटे के अंदर सुलझा लेने का दावा किया है। पुलिस ने कांड में नामजद आरोपी आदित्य राय को गिरफ्तार कर लिया गया है। गुरुवार को एसपी रविरंजन कुमार ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि बुधवार को पुलिस को सूचना मिली की भाजपा नेता कृष्णा शाही का अपहरण हो गया है। सूचना के बाद दो विशेष टीम बना कर जांच पड़ताल शुरू की गई। जांच पड़ताल के दौरान ही कृष्णा शाही का शव कुआं से बरामद किया गया। शव बरामद होने के साथ ही इस कांड में संदिग्ध फुलवरिया थाना क्षेत्र के इमिलिया मांझा गांव के आदित्य राय को हिरासत में ले लिया गया। एसपी ने बताया कि

हिरासत में लिए गए आदित्य राय ने पुलिस को बताया कि कृष्णा शाही का उनकी बहन से अवैध संबंध था। आदित्य ने अपने बताया में कहा कि उसने समाज व बहन की इज्जत बचाने के लिए कृष्णा शाही को खाने में जहर देकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक रवि रंजन कुमार बताया कि आरोपी आदित्य राय अपना जुर्म छिपाने के लिए बुधवार की सुबह से अन्य लोगों के साथ मिलकर कृष्णा शाही को खोजने में लगा हुआ था। हालांकि शक के आधार पर आदित्य राय सहित अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो आदित्य राय ने इस घटना को अंजाम देने की बात कहीं है। हालांकि भाजपा नेता कृष्णा शाही के परिजन इस हत्या में जदयू विधायक पप्पु पाण्डेय को साजिशकर्ता मान रहे है। पुलिस इस घटना को लेकर अन्य बिंदुओं पर भी जांच पड़ताल कर रही है।

# एशिया का सबसे साफ गांव

गांव के बारे में लोगों की सोच बहुत अलग होती है। ऐसा माना जाता है कि गांवों के लोग साफ-सफाई में बहुत पीछे होते हैं। खुल्ले में शौच जाना, सड़कों पर थूकना और किसी भी जगह पर गंदगी फैक देना इनकी पहचान मानी जाती है। सरकार इन सब चीजों से निपटने के लिए तरह-तरह के तरीके और अभियान भी चला रही है लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश में एक गांव ऐसा भी है जो भारत का ही नहीं बल्कि एशिया का सबसे स्वच्छ गांव माना जाता है। इस गांव का नाम है मावलीनांग, इसे God's own Garden के नास से भी जाना जाता है। मेघालय की राजधानी में बसा यह गांव

भारत बांग्लादेश बॉर्डर से 90 कि.मी दूर स्थित है। यहां के लोग साफ-सफाई को खाने से भी ज्यादा जरूरी मानते हैं। उनका मानना है कि सफाई नहीं तो खाना नहीं। इस गांव में साफ-सफाई के पीछे की खास वजह यह है कि यहां के लोगों ने साफ-सफाई का जिम्मा खुद पर ले रखा है।

यहां पर कोई भी दिन ऐसा नहीं होता जब सफाई न की जाए। 500 की आबादी वाले इस गांव से बीमारियां कोसो दूर हैं और घर का कोई सदस्य अगर सफाई में हाथ नहीं बटाता तो उसे खाना भी नहीं दिया जाता। यहां पर गंदगी फैलाने के लिए खुले में शौच जाने की सख्त मनाही है। इसके अलावा लोग सड़कों पर थूकने से भी परहेज करते हैं।

गांव के हर किनारे पर कूड़े के ढेर की बजाय खूबसूरत फूल और पेड़-पौधे लगे हुए हैं। यहां पर बांस से बने घर इस जगह को और भी खूबसूरत बना देते हैं। इसी कारण इसे देखने के लिए दूर-दूर से टूरिस्ट यहां आते हैं।

# पुरानी खदान में छिपा रखे थे अरबों रुपयों के बंडल

छिपे खजानों की खोज करना अपने आप में काफी रोमांचक माना जाता है। अगर इस खोज में आपको सफलता मिल जाए, तो बात कुछ खास हो जाती है। लेकिन क्या हो अगर आपको अरबों रुपए खजाने में मिले, लेकिन उसकी कोई अहमियत ही ना हो? ऐसा ही कुछ हुआ रूस के कुछ एक्सप्लोरर के साथ ।सैंट पीटर्सबर्ग में रहने वाले कुछ खोजकताओं ने ऐसी अफवाह सुनी थी कि मास्को से 161 किलोमीटर दूर मौजूद कुछ खदानों में खजाना छिपाया हुआ है। अफवाह के मुताबिक, वररफ के पतन के समय कुछ लोगों ने पुरानी खदानों में, जहां कोई आता-जाता नहीं है, वहां करोड़ों रुपए छिपा दिए थे, जो आज भी वहां मौजूद हैं। इन्हें आधार मानते हुए रूस के रहने वाले ऐंटन अलेक्सीव ने कुछ लोगों का एक ग्रुप बनाया और खजाने की खोज पर निकल पड़े। खोज के दौरान अचानक एक पुराने खदान से उन्हें एक बिलियन सोवियत रूबल मिले। इनकी कीमत करेंट एक्सचेंज रेट के मुताबिक, करीब एक अरब, 12 करोड़ रुपए है। लेकिन नोटों के ये बंडल टीम के लिए कागज का टुकड़ा निकले। दरअसल, सोवियत रूबल 1961 के समय चलता था। लेकिन 1990 के बाद वहां रुसी रूबल चलने लगा।

# दुर्लभ! भारत में दिखे लाल कान वाले हाथी

आप ने हाथी तो देखा ही होगा और उसके बड़े बड़े कान भी देखे होंगे। क्या आप ने कभी लाल कान वाले हाथी को देखा है। अगर नहीं तो कोई बात नहीं हम आप को दिखायेंगे।

**यहां दिखे लाल कान के हाथी**

एशिया में लाल कान वाले हाथी विलुप्त प्रजाति में आते हैं। हाल ही में कुछ लाल कान वाले हाथियों को स्पॉट किया गया है। बैंक में काम करने वाले जयदीप राजपूत ने कुछ लाल कान वाले हाथियों की फोटो ली है। ये फोटो कॉर्बेट नेशनल पार्क उत्तराखंड की हैं। नई दिल्ली के रहने वाले 56 वर्षीय जगदीप राजपूत ने बताया कि प्राकृतिक रंजकता की वजह से कुद हाथियों के कान लाल हो जाते हैं। नर हाथी अकेला होता है। वो अकेला ही जंगल में भ्रमण करता है। नर हाथी को बड़ा होने के बाद उसके समूह से अलग होना पड़ता है। जबकि मादा हाथी को बड़ा होने के बाद भी समूह में ही रखा जाता है।

**विलुप्त होने के कगार पर है इनकी प्रजाति-** जगदीप ने बताया कि उन्होंने पहली बार लाल कान वाले हाथियों को देखा है। उस दौरान नेशनल पार्क में मौजूद सभी लोगों ने पहली बार लाल कान वाले हाथियों को देखा। लाल कान वाले हाथियों की प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर है। इस तरह से उनका दिखना उनकी प्रजाति के लिये शुभसंकेत है। जगदीप ने बताया कि वो हाथी इतना बड़ा होने के बाद भी एक समझदार मनुष्य की तरह व्यवहार कर रहा था। हर हाथी के कान लाल रंग के नहीं होते हैं। इसमें जगह और प्रकृति का भी योगदान होता है।

## मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

**मेष**
परिवार की चिंता रहेगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वाभिमान बना रहेगा। विवाद न करें।

**सिंह**
कार्यस्थल पर परिवर्तन होगा। योजना फलीभूत होगी। चोरी व दुर्घटनादि से हानि संभव है। जोखिम न लें।

**धनु**
संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। उन्नति होगी। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे।

**वृष**
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी।

**कन्या**
कानूनी अड़चन समाप्त होगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

**मकर**
रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

**मिथुन**
उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। व्ययवृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। पुराना रोग उभर सकता है, धैर्य रखें।

**तुला**
वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। अस्वस्थता से बाधा संभव है। भागदौड़ अधिक होगी।

**कुंभ**
बुरी सूचना मिल सकती है। रोग व चोट से बचें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

**कर्क**
यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। उन्नति होगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

**वृश्चिक**
जोखिम व जमानत के कार्य टालें। राजकीय सहयोग मिलेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। धनार्जन होगा।

**मीन**
प्रयास सफल रहेंगे। पूछ-परख रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी।

# दुनिया के इन 5 शहरों में फैला है सन्नाटा, नहीं रहता कोई भी इंसान

किसी भी शहर की पहचान उनमें रहने वाले लोगों और उनके काम से होती है। कोई भी घर या शहर बिना इंसानों से वीरान हो जाता है लेकिन दुनिया में कुछ जगहें ऐसी हैं जहां कोई भी नहीं रहता और चारों तरफ सन्नाटा छाया रहता है। आइए जानिए ऐसे ही कुछ शहरों के बारे में

**1. किजोंग डोंग, नार्थ कोरिया**

नार्थ कोरिया में किजोंग डोंग नाम का एक गांव हैं जो एक दम खाली पड़ा है। 1953 के बाद यहां रहने वाले लगभग 200 परिवार गाव छोड़कर दूसरी जगहों पर चले गए और अपने घरों को खुला ही छोड़ गए। अब यहां इन खाली घरों के दरवाजे खुले पड़े हैं और चारों तरफ सन्नाटा बना हुआ है। दुनिया को दिखाने के लिए यहां रात के समय लाइट्स जला दी जाती हैं और महीने में एक बार सफाई कर्मी भी आकर सड़कों को साफ करते हैं।

**2. बोड़ी, अमेरिका**

२१साल 1886 में अमेरिका के इस शहर में लोहे की खदानों का पता लगाया गया। जिसे खोजने के लिए लोग यहां पर आकर बस गए लेकिन जब यह खदानें बंद हो गई तो धीरे धीरे लोग इस शहर को छोड़कर जाने लगे और सारा शहर खाली हो गया।

**3. कयाकोय, तुर्की**

तुर्की से 8 किलोमीटर की दूरी पर बसे इस शहर में 1923 तक काफी लोग रहते थे लेकिन धीरे धीरे इस शहर में वीराना छाने लगा।

**4. शंघाई, चीन**

चीन के इस शहर में 9 गांवों को बसाने का काम शुरू किया गया था लेकिन 2001 में किसी वजह से यह प्रोजेक्ट रुक गया और सारा काम बंद हो गया। इस वजह से यह शहर आज बिल्कुल खाली है।

**5. प्रिप्यत, युक्रेन**

बॉर्डर पर बसे इस शहर में न्यूक्लियर हादसे के बाद कई लोग मारे गए और बाकी लोगों के लिए इस शहर में रहना खतरनाक था। इस वजह से यहां से लोगों को दूसरी जगह पर भिजवा दिया गया और यह शहर पूरी तरह से खाली हो गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# सेहत के लिए हानिकारक है किचन की ये चीजें

किचन की साफ-सफाई रखना बहुत जरूरी है। लेकिन गंदगी से ही बीमारी फैलने के डर नहीं होती बल्कि डैकोरेटिव दिखने वाले बर्तन भी सेहत पर बुरा असर डालते है। किचन में इस्तेमाल होने वाले नॉन स्टिक बर्तन, पैन, केतली से लेकर कॉफी मग तक आपको बीमार कर सकते है। इसलिए खाना पकाते और खाते समय सही बर्तनों का चुनाव करना बहुत जरुरी है।

**1. नॉन स्टिक बर्तन**

नॉन स्टिक बर्तनों में खाना पकाना बहुत आसान होता है लेकिन इसमें टेफ्लान नामक केमिकल होता है जो सेहत के लिए बहुत हानिकारक होता है। खाना बनाते समय इससे निकलने वाली गैस दमा के मरीजों के लिए खतरनाक हो सकती है। इसलिए इसे धीमी आंच पर रखकर खाना पकाएं।

**2. प्लास्टिक के बर्तन**

माइक्रोवेव में खाना गर्म करने से प्लास्टिक के केमिकल्स खाने में ट्रांसफर हो जाते है। जिससे कैंसर जैसी बीमारी होने का खतरा रहता है। इसलिए प्लास्टिक के बर्तनों का कम से कम प्रयोग करें।

**3. एल्युमिनियम के बर्तन**

एल्युमिनियम के बर्तन हल्के, मजबूत, गुड हीट कंडक्टर होते हैं। इसमें ज्यादा देर तक खाना पकाने से ऐसे तत्व निकलते है जिससे टीबी, किडनी फेल, अल्जाइमर और दिमागी बीमारिया होने का खतरा रहता है।

**4. तांबे के बर्तन**

तांबे के बर्तन में खाना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। इनके उपर मेटल की लेयर चढ़ी होती है लेकिन कुछ समय बाद जब ये लेयर निकल जाती है तो कॉपर के अंश खाने के साथ शरीर में शामिल हो जाते है। इसके कारण डायरिया और उल्टी जैसी समस्या हो सकती हैं। इसलिए ज्यादा पुराने बर्तनों का इस्तेमाल न करें।

**5. ग्लास कुकवेयर**

कांच के बर्तनों का इस्तेमाल करने से भी सेहत को नुकसान हो सकता है। पुराने कांच के बर्तनों से लीड टॉक्सिन की समस्यां होने लगती है। जिससे पेट से जुड़ी कई तरह प्रॉब्लम हो सकती है।

# मानसून में ये साबुन निखारेंगे बॉडी की रंगत

बाहरी वातावरण के कारण त्वचा की रंगत पर अच्छा खासा फर्क पड़ता है। दाग-धब्बे , काला पन, संक्रमण, कील-मुहांसे और न जाने कौन-कौन सी परेशानिया स्किन का बुरा हाल कर देती है। इस भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी के पास इतना समय भी नहीं होता के पूरी बॉडी पर अलग-अलग तरह के प्रॉडक्ट का इस्तेमाल किया जाए। बारिश के इस मौसम के कारण डल हुआ त्वचा को साबुन से भी निखारा जा सकता है। आइए जानें कौन से साबुन त्वचा के लिए हैं बैस्ट।

**हर्बल साबुन**

हर्बल साबुन त्वचा को हर तरह की इंफैक्शन से बचा कर रखते हैं। इस मौसम में बैक्टिरिया बहुत जल्दी पनपते हैं और इनसे बचना बहुत जरूरी है। इसके लिए हर्बल साबुन बैस्ट हैं। यह त्वचा में नमी बरकरार रखने के साथ बीमारियों से भी बचाव रखते हैं।

**बायो आलमंड ऑयल**

हमेशा बायो ऑयल से बना साबुन ही इस्तेमाल करें। यह शरीर को पोषण देते हैं। यह प्राकृतिक तत्वों से भरपूर होते हैं। जो त्वचा से जुड़ी हर परेशानी को दूर करने में मददगार है। इससे त्वचा मुलायम बनी रहती है।

**गुलाब सत्व साबुन**

गुलाब सत्व से बना हर्बल साबुन खूश्बूदार होने के साथ-साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। इससे त्वचा पर निखार आने के अलावा दाग-धब्बे भी दूर करता है।

**लैवेंडर साबुन**

यह साबुन त्वचा की खुजली और जलन को दूर करने में मददगार है। इसकी भीनी-भीनी खुशबू ताजगी का अहसास दिलाती है।

**चारकोल साबुन**

चारकोल युक्त साबुन हर तरह के स्किन के लिए बैस्ट है। यह त्वचा की गंदगी और टॉक्सिन को बाहर निकालने में मददगार है। मुहांसो और दाग धब्बों को दूर करने में यह बेहद असरदायक है।

# जोड़ों में दर्द होने पर कभी न करें इन चीजों का सेवन

बढ़ती उम्र के साथ ही शरीर की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं जिससे जोड़ों मे दर्द होने लगता है। पुरुषों के मुकाबले में महिलाओं में यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है लेकिन आजकल कम उम्र के लोगों को भी जोड़ों में दर्द होने लगता है जिसे गठिया भी कहते हैं। इस समस्या में घुटनों और मांसपेशियों में काफी तेज दर्द होता है जिसके लिए लोग पेनकिलर दवाओं का सेवन करते हैं। इसके अलावा गठिया रोग होने पर खाने-पीने की चीजों में भी काफी परहेज रखना पड़ता है।

**तली-भुनी चीजें**

जिन लोगों को मांसपेशियों में दर्द रहता है उन्हें तली चीजों का कम सेवन करना चाहिए। इससे हड्डियों में सूजन हो जाती है जिससे दर्द बढ़ जाता है। इसके अलावा डिब्बा बंद चीजें, फ्रोजन सब्जियां और मीट खाने से भी यह समस्या बढ़ जाती है।

**ज्यादा गर्म खाना**

गठिया के रोगी को अधिक तापमान पर पकी चीजों का सेवन करने से भी बचना चाहिए। माइक्रोवेव या ग्रिलर में बना खाना जोड़ों को नुकसान पहुंचाता है।

**चीनी**

अधिक मात्रा में मीठी चीजें जैसे चॉकलेट, केक, सॉफ्ट ड्रिंक और मैदे से बनी चीजों को खाने से शरीर में यूरिक एसिड बढ़ जाता है जो गठिया रोग का मेन कारण है।

**डेयरी प्रॉडक्ट्स**

दूध, दही या किसी भी डेयरी प्रॉडक्ट्स का सेवन करने से शरीर को कैल्शियम मिलता है जो हड्डियों के लिए बहुत जरुरी होता है लेकिन इनका अधिक मात्रा से सेवन करने से जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है।

**शराब और तंबाकू**

जिन लोगों को गठिया रोग की समस्या हो उन्हें शराब, सिगरेट और तंबाकू का सेवन करने से बचना चाहिए। इससे शरीर को खतरनाक बीमारियां तो लगती ही हैं साथ में हड्डियों को भी नुकसान पहुंचाता है।

# रात को दहीं खाते हैं तो जान लें इसके नुकसान

दही खाना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस, जिंक, पोटेशियम और मैग्नेशियम की प्रचुर मात्रा होते हैं। इसमें पाया जाने वाला ओमेगा 3 फैटी एसीड शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है। डॉक्टर भी इसे आहार में शामिल करने की सलाह देते हैं लेकिन इसे रात को न खाने की सलाह दी जाती है।

इसका स्वाद खट्टा और पचाने में बहुत समय लेता है। जिससे रात को परेशानी भी हो सकती है। अगर किसी कारण से रात के समय इसका सेवन करना जरूर है तो थोडी सी काली मिर्च या फिर मेथी पाउडर मिलाकर इसे खा सकते हैं। रात को इसे खाने की बजाय अगर इसे दोपहर या फिर सुबह खाएं तो सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकता है।

**रात को दही खाने के नुकसान**

1. रात को दही खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और पेट से जुड़ी परेशानिया भी आ सकती हैं।

2. जो लोग रात को रायता या दही से बनी कोई भी चीज खाते हैं, उन्हें खट्टे डकार आने की समस्या हो सकती है।

3. दही खाकर सोने से शरीर में फैट जमना शुरु हो जाता है, इसका कारण यह है कि शरीर इसे सही तरीके से पचा नहीं पाता।

4. जिन लोगों को कफ की दिक्कत है,वह दही का रात के समय सेवन न करें। इसे खाने से बॉडी में कफ जमना शुरू हो जाता है। इससे सर्दी-जुकाम भी बना रहता है।

5. जोड़ों के दर्द ने बेहाल कर रखा है तो रात के समय भूलकर भी दही न खाएं।

6. रात को दही खाने से फेफड़ों में इंफैक्शन होने का डर रहता है।

# दिनेश कार्तिक का अगला लक्ष्य 2019 वर्ल्ड कप खेलना!

**नई दिल्ली।** भारतीय टेस्ट टीम में वापसी पर नजरें टिकाए बैठे दिनेश कार्तिक ने कहा कि वह अपने शॉट्स की बदौलत मिडल ऑर्डर में प्रभाव छोड़ने में सक्षम हैं लेकिन कभी विकेटकीपिंग नहीं छोड़ेंगे। घरेलू सीजन में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत कार्तिक ने हाल में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों में वापसी की लेकिन वेस्टइंडीज दौरे पर सिर्फ बल्लेबाज के रूप में खेले। बांग्लादेश के खिलाफ 2010 में अपना पिछला टेस्ट खेलने वाले कार्तिक ने कहा, मैं वनडे और टी20 टीम का हिस्सा हूं इसलिए अब टेस्ट टीम में स्थान के लिए प्रयास करना चाहता हूं। यह मेरा सपना है।

मैं एक बार फिर सफेद पोशाक पहनना चाहता हूं और विराट कोहली की कप्तानी में खेलना चाहता हूं। मेरे पास जिस तरह के शॉट हैं वह मध्यक्रम में प्रभाव छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि मैं मुझे वनडे प्रारूप में मिले मौके का इस्तेमाल करूं। लेकिन मैं इसके बारे में सोचते रहकर अपने ऊपर दबाव नहीं बनाना चाहता। मेरी योजना जब भी मौका मिले तब रन बनाना है। देश के लिए रन बनाना अच्छा लगता है। टीम में वापसी अच्छा अहसास है। लक्ष्य 2019 में विश्व कप में खेलना है। जब यह पूछा गया कि वनडे टीम में बल्लेबाज के रूप में चयन के कारण

क्या वह विकेटकीपिंग छोड़कर बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहते हैं तो उन्होंने कहा, मैं विशुद्ध विकेटकीपर और विशुद्ध बल्लेबाज हूं। इस तरह से मैं दो कौशल वाला खिलाड़ी हूं। मैं विशुद्ध ऑलराउंडर हूं और किसी भी स्थान पर क्षेत्ररक्षण कर सकता हूं। मुझे हमेशा से आत्मविश्वास रहा है कि मैं किसी भी टीम में बल्लेबाज के रूप में खेल सकता हूं। विकेटकीपर मेरे अंदर नैसर्गिक रूप से है। आईपीएल 2018 में चेन्नई सुपरकिंग्स की वापसी के बारे में कार्तिक ने कहा, यह बड़ी चुनौती है।

आपको पता है कि शून्य से टीम तैयार करना आसान नहीं होता। नियमों के सामने आने तक हमें कुछ नहीं पता। मैं अपने घरेलू शहर के लिए खेलना पसंद करूंगा। सीएसके ने हालांकि मुझे कभी नहीं चुना है। पिछले घरेलू सीजन में बीसीसीआई की तटस्थ स्थल की नीति पर कार्तिक ने कहा, मेरा मानना है कि तटस्थ स्थल का प्रारूप बीसीसीआई का बेहतरीन प्रयास है। लेकिन मुझे लगता है कि टीमों को घरेलू और विरोधी के मैदान पर खेलना चाहिए क्योंकि प्रत्येक संघ के घरेलू मैदान से काफी इतिहास जुड़ा है। उन्होंने कहा कि घरेलू टीमों के पिचों को अपने तरीके से तैयार करने की शिकायतों से टास को खत्म करके निपटा जा सकता है। आयरलैंड और अफगानिस्तान को टेस्ट दर्जा देने पर उन्होंने कहा, यह काफी रोचक होगा। यह देखना होगा कि उनका घरेलू ढांचा कैसा है। आज की दुनिया में यह महत्वपूर्ण है कि टेस्ट क्रिकेट को जितना संभव हो उतना रोमांचक बनाया जाए।

## द्रविड़ पर खत्म हुआ सस्पेंस, जहीर पर अब भी फंसा पेंच

**नई दिल्ली।** टीम इंडिया श्रीलंका पहुंच चुकी है और ये दौरा मुख्य कोच रवि शास्त्री के लिए पहला कोच के तौर पर पहला इम्तिहान भी है। लेकिन इस दौरे पर जाने से पहले रवि शास्त्री ने बीसीसीआइ के सामने एक प्रस्ताव रखा है। वो अपना मनपसंद कोचिंग स्टाफ मिलने के बाद सचिन तेंदुलकर को भारतीय टीम के बल्लेबाजी सलाहकार के तौर पर जोड़ना चाहते हैं, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) द्वारा नियुक्त किए गए बल्लेबाजी सलाहकार राहुल द्रविड़ का इस्तेमाल करना चाहता है।

हालांकि जहीर खान की भूमिका पर अभी भी पेंच फंसा हुआ है। मंगलवार को शास्त्री की पसंद भरत अरुण को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया, जबकि बल्लेबाजी कोच संजय बांगर, क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर और फिजियो पैटिक फरहार्ट को बरकरार रखा गया है। इसके बाद यह सवाल उठ रहे थे कि सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण वाली सीएसी द्वारा नियुक्त बल्लेबाजी सलाहकार द्रविड़ और गेंदबाजी सलाहकार (विदेशी दौरों) जहीर का क्या होगा? बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि सीओए द्वारा बनाई गई समिति ने सीईओ जौहरी को द्रविड़ से बातचीत का जिम्मा सौंपा है। इसके अलावा शास्त्री भी लगातार द्रविड़ और जहीर के संपर्क में हैं।

## अपने पुराने घर को छोड़ कर पुणे पुहंचा चेन्नई ओपन

**मुंबई।** भारत का एकमात्र एटीपी टूर्नामेंट चेन्नई ओपन अब अपने पुराने घर चेन्नई को छोड़कर नए घर पुणे में जा रहा है और इसे महाराष्ट्र ओपन का नाम दिया गया है। पिछले कुछ समय से इस बात को लेकर अटकलें चल रही थीं कि चेन्नई ओपन अब चेन्नई में आयोजित नहीं हो पाएगा। टूर्नामेंट का अधिकार अपने पास रखने वाले आईएमजी रिलायंस ने महाराष्ट्र सरकार और महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन के साथ

समझौता किया है, जिसके तहत घोषणा की गई है कि 2018 संस्करण के लिए पुणे इस टूर्नामेंट का मेजबान स्थल होगा। यह टूर्नामेंट अब महाराष्ट्र ओपन के नाम से जाना जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फणनवीस ने कहा हम इस विश्व स्तरीय एटीपी टूर्नामेंट का अपने राज्य में स्वागत करते हैं।

हमें खुशी है कि हम महाराष्ट्र ओपन की मेजबानी करेंगे और हर वर्ष इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। चेन्नई ओपन भारत के अंतरराष्ट्रीय खेल कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा था जिसमें लगातार 21 वर्षों तक दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खेलने उतरे थे। यहां तक की पूर्व नंबर एक और 15 बार के ग्रैंड स्लेम विजेता स्पेन के राफेल नडाल ने भी अपने करियर के दौरान चेन्नई ओपन को एक हिस्सा बनाया था। आईएमजी रिलायंस के प्रवक्ता ने कहा कि हम तमिलनाडु में सभी का और खासतौर पर प्रशंसकों का तथा तमिलनाडु सरकार और तमिलनाडु टेनिस संघ का चेन्नई ओपन को इतना सफल बनाने के लिए धन्यवाद करना चाहते हैं।

हमें टेनिस प्रेमियों से इसी तरह के प्यार की उम्मीद पुणे और महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि देश के हर हिस्से में रहेगी। हमने टेनिस की एक विरासत तैयार की है जिसमें युवा खिलाडियों को दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ न केवल खेलने का मौका मिला है बल्कि विश्व रैंकिंग अंक जुटाने का भी मौका मिला है। एमएसएलटीए के सचिव सुंदर अय्यर और टूर्नामेंट निदेशक प्रशांत सुतार इस टूर्नामेंट को पुणे में आयोजित करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उनका मानना है कि महाराष्ट्र ओपन के आयोजन के लिए पुणे में देश का सर्वश्रेष्ठ टेनिस आधारभूत ढांचा उपलब्ध है। चेन्नई ओपन के आयोजन के दौरान भारत की सर्वश्रेष्ठ जोड़ी लिएंडर पेस और महेश भूपति, स्टेनिसलास वावरिंका और मारिन सिलिच जैसे खिलाड़ी अपने करियर की शुरुआत में खेले और फिर दुनिया के शीर्ष खिलाडियों में शुमार हुए।

## ओलिंपिक 2032 की मेजबानी करना चाहता है भारत

**बेंगलुरु।** क्या भारत 2032 ओलिंपिक की मेजबानी करने का इच्छुक है? हालांकि इस दिशा में अभी पहला कदम भी नहीं उठाया गया है, लेकिन ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि खेलों के इस महाकुंभ को भारत में लाने के प्रयास शुरू हो चुके हैं। अगर यह महत्वाकांक्षी कदम मजबूती से आगे बढ़ता है और यह राजनीतिक बाधाओं को पार कर लेता है, तो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एक स्वाभाविक पसंद के तौर पर उभरेगा।

खेल मंत्रालय 35वें ओलिंपिक खेलों के आयोजन करवाने और इससे जुड़े अन्य सेक्टर्स पर पड़ने वाले असर का मुआयना करवाने की योजना बना रहा है। एक बार यदि खेल मंत्रालय ओलिंपिक का आयोजन करवाने की संभावना को लेकर आश्वस्त हो जाता है, तो वह सरकार को इस दिशा में आगे बढ़ने को कह सकता है। भारतीय

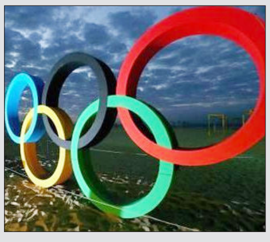

ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष एन. रामचंद्रन ने पत्रकारों को बताया कि आईओए ने सरकार से 2032 ओलिंपिक और 2030 एशियन गेम्स के आयोजन की बोली लगाने की अनुमति मांगी थी। खेल मंत्रालय के कदम से लगा कि वह सुझाव के खिलाफ नहीं है लेकिन फिर भी सावधानी से आगे बढ़ना चाहता है। मंत्रालय इसकी लागत के बारे में पूरा विचार करना चाहता है। खेल मंत्रालय इस बात से भी वाकिफ है कि ओलिंपिक का आयोजन आमतौर पर घरेलू देशों के लिए फायदे का सौदा साबित नहीं होते हैं। ओलिंपिक का आयोजन एक महत्वकांक्षी परियोजना है। यह अभी तक कई अधिक संसाधन संपन्न, बेहतर रूप से तैयार और ज्यादा स्पोर्ट्स कल्चर वाले देशों को नहीं मिल पाया।

इससे सरकार को योजना बनाने के लिए कुछ और साल का वक्त मिल जाता है। इंटरनैशनल ओलिंपिक कमिटी 2032 के मेजबान के नाम का ऐलान 2025 में करेगी। वैसे नीलामी और नामांकन की प्रक्रिया 9 साल पहले शुरू हो जाती है। इससे सरकारों को योजना बनाने के लिए कुछ और साल मिल जाते हैं। मौजूदा हालात 2 साल पहले के हालात से काफी अलग हैं। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खास बुलावे पर आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक भारत आए थे। इसी दौरान सरकार ने 2024 के आयोजन में दिलचस्पी दिखाने का विचार त्याग दिया था। वैश्विक स्तर पर आईओसी के लिए काफी मुश्किलें हैं।

**गेम्स के फायदे व नुकसान:** जब 1964 में तोक्यो ने इन खेलों का आयोजन किया वह दूसरे विश्व युद्ध के बाद खुद को दुनिया के सामने साबित करना चाहता था। 1948 में लंदन गेम्स के पीछे भी ऐसे ही कुछ उद्देश्य थे। भारत भी इसे अपनी संस्कृति और विकास के प्रदर्शन के तौर पर देख सकता है। अगर भारत ओलिंपिक के लिए बोली लगाता है तो यह एनसीआर इसके लिए सबसे मुफीद जगह मानी जा सकती है।

## चोट से परेशान माइकल लैंब ने क्रिकेट को कहा अलविदा

*लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट और काउंटी क्लब नॉटिंघमशायर के बल्लेबाज माइकल लैंब टखने की चोट के कारण मजबूरन क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइन्फो डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, लैंब ने कहा कि वह इस फैसले से बिल्कुल खुश नहीं हैं, लेकिन वह मेडिकल तथ्यों का सम्मान करते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगस्त, 2014 में ओडीआई प्रारूप में डेब्यू करने वाले लैंब इंग्लैंड के उन 11 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने आईसीसी ट्रॉफी जीती है। उन्होंने 2010 में विश्व टी-20 टूर्नामेंट में टीम में अहम भूमिका निभाई थी। लैंब ने कहा, क्रिकेट जगत से संन्यास के फैसले को लेकर मैं बहुत निराश हूं विशेषकर सीजन के मध्य में। हालांकि, मैं मेडिकल तथ्यों और विचारों का सम्मान करता हूं। उन्होंने कहा, ट्रैंट ब्रिज में मैंने अपने करियर का सबसे अच्छा समय बिताया और नॉटिंघमशायर क्लब में मैंने अपने समय का भरपूर आनंद लिया।*

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# जब गलत स्पेलिंग लिखा था उर्वशी रौतेला ने !

कुछ समय पहले ही उर्वशी रौतेला ने अपने ऐप लॉन्चिंग की जानकारी सोशल मीडिया पर दी। शायद खुशी और हड़बड़ाहट की वजह से उर्वशी ने यह ध्यान नहीं दिया कि उन्होंने इस जानकारी को शेयर करते हुए ऐंड्रॉयड (Android) की स्पेलिंग गलत लिखी है। उर्वशी रौतेला अक्सर ही अपने आसपास कॉन्ट्रोवर्सी क्रिएट करने में सफल रहती हैं और शायद इसकी कोई बड़ी वजह भी नहीं होती। कुछ ही समय पहले उर्वशी ने अपने ऑफिशल इंस्टाग्राम पर यह जानकारी शेयर करते हुए कहा, 'मैं अपने ऐप को लेकर बेहद उत्साहित हूं और यह ऐप डिजिटल दुनिया में मेरे फैन्स को मुझसे संबंधित निजी जानकारियां उपलब्ध कराएगा। मैं हमेशा से अपने फैन्स को कुछ खास और थोड़ा ज्यादा देना चाहती थी, लेकिन दुर्भाग्य से मैं इससे पहले व्यस्त रही, इसलिए मैंने आखिरकार यह ऐप लॉन्च करने का फैसला किया।' उर्वशी ने बताया कि वह खुद ऐप यूजरों के संदेश का जवाब देंगी और यह ऐंड्रॉयड (जिसे पहले उन्होंने Adroid लिखा था) और आईओएस प्लैटफॉर्म पर उपलब्ध होगा। उर्वशी के मुताबिक, 'मैं व्यायाम करने से लेकर अपने मनपसंद भोजन तक अपने निजी जीवन से जुड़ी बातों की झलक दिखाऊंगी, इसलिए मैं बेहद उत्साहित हूं।' उर्वशी 'भाग जॉनी', 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' और 'सनम रे' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

## भाई-भतीजावाद जैसी चीजें केवल चर्चा के लिए : शत्रुघ्न सिन्हा

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा का मानना है कि हिंदी फिल्म उद्योग में भाई-भतीजावाद (नेपोटिज्म) जैसी चीजें केवल चर्चा के लिए होती हैं। शत्रुघ्न ने व्हिसलिंग वूड्स इंटरनेशनल फिल्म स्कूल के 10वें दीक्षांत समारोह में कहा, ये (भाई-भतीजावाद) चीजें केवल चर्चा के लिए होती हैं। यह पहले भी होती थी, अब भी होती है और भविष्य में भी होती रहेंगी। मुझे लगता है कि दर्शक ही इस बात का फैसला करते हैं कि इस उद्योग में कौन रहेगा। उन्होंने कहा, कई कलाकारों के बेटे और बेटियां हैं, जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि कुछ नहीं कर पाए। मुझे लगता है कि अगर किसी कलाकार के बच्चों में प्रतिभा और कौशल है तो हमें उन्हें रोकने का अधिकार नहीं है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम उन्हें उद्योग में उनकी प्रतिभा के बगैर मौका दे रहे हैं। यह सब उनकी प्रतिभा, जुनून, फिल्मों के परिणाम और दर्शकों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है।

## सलमान की जगह 'बिग बॉस 12' को होस्ट करेंगे अक्षय कुमार

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस का सीजन 11 जल्द ही ऑनएयर होने जा रहा है। शो में कंटेस्टेंट आडिशन भी शुरू हो चुके हैं। वैसे तो हर साल इस शो को होस्ट सलमान खान करते हैं। हाल ही में ऐसी खबर सामने आई हैं जो सलमान के सभी फैंस को चौंका देने वाली है। जन 11 के साथ सलमान खान का कलर्स टीवी के इस शो पर सफर खत्म हो सकता है। कहा जा रहा है कि अगले साल सलमान खान सोनी टीवी के पॉपुलर शो 10 का दम के तीसरे सीजन के होस्ट बन सकते हैं। इसके साथ ही यह भी दावा किया जा रहा है कि कलर्स टीवी की तरफ से बिग बॉस के सीजन 12 के होस्ट को लेकर तलाश भी शुरू की जा चुकी है। सूत्रों के मुताबिक अपनी फिल्मों के प्रमोशन के लिए कई बार बिग बॉस के घर में पहुंचने वाले अक्षय कुमार अगले साल इस शो के होस्ट के तौर पर दिखाई दे सकते हैं। बता दें कि पहले भी कई ऐसी बातें सामने आई थी कि सलमान खान इसी साल 10 का दम सीजन 3 के साथ सोनी टीवी पर वापस आ सकते हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्पॉटब्वॉय से जुड़े एक सोर्स ने खुलासा किया है सलमान खान का रिप्लेसमैंट ढूंढने का काम उनकी पुरानी मैनेजर रही रेश्मा शेट्टी ने ही किया है।